

BEST EMERGENCY CARE IN TRAUMA, STROKE & HEAD INJURY

जानकी न्यू लाईफ

मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल

कीड़ा संकुल रोड, मरारटोली, गोंदिया - 441614

EMERGENCY

75 108 57 108

हैड इंजरी, कोमा, सरद, ब्रेन ट्यूमर, रीढ़ की हड्डी के उपचार और सर्जरी, न्यूरोसर्जरी, आर्थोपेडिक्स, न्यूरो हिब, इंटरनल मेडिसिन, जनरल सर्जरी, जॉइंट रिप्लेसमेंट, आईसीयू माइक्रोवर ओटी, यूरो सर्जरी, वेस्कुलर सर्जरी..एम.आर.आई, सीटी स्कैन, यूएसजी, एक्स रे, प्रभुति व स्त्री रोग तज्ञ..

डॉ. सनी सतीश

जायसवाल न्यूरो सर्जन

डॉ. सौ. पूनम सनी

जायसवाल स्त्री रोग विशेषज्ञ

बालाघाट, सिवनी, मंडला, गोंदिया एवं भंडारा जिले में प्रसारित हिन्दी दैनिक..

जग प्रेरणा

बालाघाट - 23 सितम्बर 2026

दिन - बुधवार

वर्ष-14 वां

पृष्ठ - 12

अंक - 237

मूल्य - 5 रुपये

7 Years

IN HEALTH, CARE & HEALING

SAHAYOG HOSPITAL

निःशुल्क एंजियोग्राफी एवं एंजियोप्लास्टी शिविर

वैधता 31 अगस्त 2026 तक

अभ्युपन भारत योजना (PMJAY) एवं PMJAY के अंतर्गत निशुल्क एंजियोप्लास्टी की सुविधा उपलब्ध

91 8888 001 426 / 07182 250006 / 07

● बालाघाट

● वारासिवनी

● कटंगी

● बैहट

● लांजी

● परसवाड़ा

● सिवनी

● बरघाट

● छपरा

● केवलासी

● गोंदिया - भंडारा

● आमगांव

● गोरेगांव

● सालेकसा

● देवरी

● तिरोड़ा

सोना, चांदी, हीरे एवं संपूर्ण हॉलमार्क ज्वेलरी के विक्रेता

नूपुर डायमंड ज्वेलरी

विश्वास, सौंदर्य और श्रेष्ठता से अलंकृत

नूपुर ज्वेलर्स

स्टेट बैंक के पास फोन - 07632-240753

मेन रोड, बालाघाट मो. 9977229027

बिहार में जमुई में छेड़छाड़ के मुख्य आरोपी नंदन यादव को पुलिस मुठभेड़ में गोली लगी

पटना, (भाषा)।

बिहार के जमुई जिले में नाबालिग छात्रा से छेड़छाड़ और बदसलूकी के चर्चित मामले का मुख्य आरोपी नंदन यादव मंगलवार को पुलिस के साथ मुठभेड़ में घायल हो गया। पुलिस मुख्यालय के अनुसार, फ़ार आरोपी नंदन यादव पुलिस से बचकर भागने की कोशिश कर रहा था। इसी दौरान पुलिस टीम के साथ हुई मुठभेड़ में उसके पैर में गोली लगी। घायल आरोपी को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस के अनुसार, दूसरे फ़ार आरोपी हरेराम यादव के भी घायल होने की सूचना है। उसकी तलाश और मामले के अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए अभियान जारी है। यह मामला 19 सितंबर की शाम जमुई टाउन थाना क्षेत्र के मड़वा पहाड़ इलाके में सामने आया था। कोचिंग से लौट रहे नाबालिग छात्र और छात्रा को स्कूटी से जाते समय 6-7 युवकों ने रोक लिया था। आरोप है कि युवकों ने दोनों के साथ गाली-गलौज, मारपीट की और छात्रा से अभद्र व्यवहार किया। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद व्यापक आक्रोश फैल गया था। पुलिस ने वीडियो के आधार पर करीब सात आरोपियों की पहचान की है। तीन नाबालिग आरोपियों को पहले ही हिरासत में लिया जा चुका है। मामले में पोकसो अधिनियम तथा भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की संबंधित धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है। एसडीपीओ दीप्ति मोनाली के नेतृत्व में गठित विशेष जांच दल (एसआईटी) मामले की जांच कर रहा है। जमुई के पुलिस अधीक्षक विश्वजीत दयाल ने कहा कि पीड़ितों के बयान दर्ज कर लिए गए हैं और सभी आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है।

राष्ट्रीय स्तर पर फेडरेशन ऑफ इंडियन मिनरल इंडस्ट्री के वार्ड्स प्रेसिडेंट बने रमणीक ग्रुप के डायरेक्टर हर्ष व्ही.त्रिवेदी..

जगप्रेरणा बालाघाट।

नई दिल्ली के हाटेल हयात रिजेंसी में 22 सितंबर 2026 को फेडरेशन ऑफ इंडियन मिनरल इंडस्ट्री की 60 वी वार्षिक बैठक राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित की गई। जिसमें सर्वसम्मति से रमणीक ग्रुप एवं ए.पी. त्रिवेदी सन्स रमरसा माईन्स

60th ANNUAL GENERAL MEETING

22 September, 2026 - New Delhi

Federation of Indian Mineral Industries

60th ANNUAL GENERAL MEETING

22 September, 2026 - New Delhi

के संचालक श्री हर्ष व्ही. त्रिवेदी को फेडरेशन ऑफ इंडियन मिनरल इंडस्ट्री का वार्ड्स प्रेसिडेंट के पद से मनोनित किया गया है, जो कि बालाघाट जिले को ही नहीं अपितु संपूर्ण मध्यप्रदेश के लिए गौरव का विषय है। उक्त बैठक में विशेष अतिथी के रूप में डॉ. वीना कुमारी डी. भारत सरकार खान मंत्रालय, श्री केशव चंद्र सचिव भारत सरकार खान मंत्रालय नई दिल्ली, श्री संतेश गुरेडी विशेष अतिथी और फेडरेशन ऑफ इंडियन मिनरल इंडस्ट्री के सेक्रेटरी जनरल प्रमोद त्यागी एवं रमणीक ग्रुप के मेनेजिंग डायरेक्टर निश्लल के. त्रिवेदी की गरिमामय उपस्थिति में आयोजित की गई।

श्री हर्ष व्ही. त्रिवेदी के वार्ड्स प्रेसिडेंट पद पर मनोनित होने पर समस्त खान संचालकों एवं उनके संबंधियों में खुशी का माहौल है। खनन क्षेत्र में राष्ट्रीय स्तरीय उपाध्यक्ष पद पर मनोनित होना यह मध्यप्रदेश एवं जिले के लिए भी गौरव का विषय है।

नागपुर स्नातक निर्वाचन क्षेत्र के लिए 23 अक्टूबर को मतदान

जगप्रेरणा गोंदिया।

महाराष्ट्र विधान परिषद के नागपुर स्नातक निर्वाचन क्षेत्र सहित राज्य के स्नातक एवं शिक्षक निर्वाचन क्षेत्रों के द्विवार्षिक चुनाव का कार्यक्रम भारत निर्वाचन आयोग द्वारा घोषित किया गया है। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार नागपुर स्नातक निर्वाचन क्षेत्र के लिए 23 अक्टूबर को मतदान होगा।

29 सितंबर को अधिसूचना जारी, 6 अक्टूबर तक दाखिल किए जा सकेंगे नामांकन, 27 अक्टूबर को मतगणना..

गई है। इसके बाद 23 अक्टूबर को मतदान होगा और 27 अक्टूबर 2026 को मतगणना की जाएगी। संपूर्ण चुनाव प्रक्रिया 31 अक्टूबर 2026 से पहले पूरी कर ली जाएगी। नागपुर स्नातक निर्वाचन क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले संबंधित छह जिलों में तत्काल प्रभाव से आदर्श आचार संहिता लागू हो गई है। चुनाव प्रक्रिया भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशों के अनुसार संपन्न कराई जाएगी।

तीन स्नातक और दो शिक्षक निर्वाचन क्षेत्रों में चुनाव

महाराष्ट्र में इस चुनाव के तहत तीन स्नातक और दो शिक्षक निर्वाचन क्षेत्रों के लिए मतदान होगा। घोषित कार्यक्रम के अनुसार 29 सितंबर को अधिसूचना, 6 अक्टूबर को नामांकन की अंतिम तिथि, 7 अक्टूबर को नामांकन पत्रों की जांच, 9 अक्टूबर को नाम वापसी की अंतिम तिथि, 23 अक्टूबर को मतदान तथा 27 अक्टूबर को मतगणना होगी।

आवश्यकता है..

बालाघाट शहर के प्रसिद्ध डिस्ट्रीब्यूटर बाधवानी फटाखा बाजार एवं विजय सेल्स में कार्य के लिये मार्केटिंग सेल्समैन, पुरुष एवं महिला कर्मचारी की आवश्यकता है। पद संख्या - 12, आकर्षक वेतन एवं सुविधाएं..

संपर्क करें..

9425639000, 9300039839

क्लासिफाईड विज्ञापन सिर्फ 100/- प्रतिदिन..

दैनिक जगप्रेरणा में क्लासिफाईड विज्ञापन सिर्फ 100 /- प्रतिदिन में प्रकाशित किये जाते हैं। कृपया संपर्क करें..

मो. 9329033433

जगप्रेरणा गोंदिया।

बालाघाट जिले में भारतीय खाद्य निगम द्वारा एथेनॉल प्लांट को जो चावल दिया गया, वह चावल खुले बाजार में नहीं बेचा जाना चाहिये, इसकी कोई जानकारी सार्वजनिक तौर पर भारतीय खाद्य निगम द्वारा प्रसारित नहीं की गई, जबकि चावल का व्यापार करने वाले राईस मिलर्स धान एवं चावल

राईस मिलर्स एसोसिएशन गोंदिया के अध्यक्ष अशोक सी. अग्रवाल ने सरकारी चावल खरीद मामले में राईस मिलर्स का बड़ा पक्ष..

कार्यवाही हो तो सिर्फ एथेनॉल प्लांट मालिकों पर ना ही राईस मिलर्स पर..

जगप्रेरणा गोंदिया।

बालाघाट जिले में भारतीय खाद्य निगम द्वारा एथेनॉल प्लांट को जो चावल दिया गया, वह चावल खुले बाजार में नहीं बेचा जाना चाहिये, इसकी कोई जानकारी सार्वजनिक तौर पर भारतीय खाद्य निगम द्वारा प्रसारित नहीं की गई, जबकि चावल का व्यापार करने वाले राईस मिलर्स धान एवं चावल

राईस मिलर्स एसोसिएशन गोंदिया के अध्यक्ष अशोक सी. अग्रवाल ने सरकारी चावल खरीद मामले में राईस मिलर्स का बड़ा पक्ष..

कार्यवाही हो तो सिर्फ एथेनॉल प्लांट मालिकों पर ना ही राईस मिलर्स पर..

जगप्रेरणा गोंदिया।

बालाघाट जिले में भारतीय खाद्य निगम द्वारा एथेनॉल प्लांट को जो चावल दिया गया, वह चावल खुले बाजार में नहीं बेचा जाना चाहिये, इसकी कोई जानकारी सार्वजनिक तौर पर भारतीय खाद्य निगम द्वारा प्रसारित नहीं की गई, जबकि चावल का व्यापार करने वाले राईस मिलर्स धान एवं चावल

राईस मिलर्स एसोसिएशन गोंदिया के अध्यक्ष अशोक सी. अग्रवाल ने सरकारी चावल खरीद मामले में राईस मिलर्स का बड़ा पक्ष..

कार्यवाही हो तो सिर्फ एथेनॉल प्लांट मालिकों पर ना ही राईस मिलर्स पर..

केवल चावल का निर्धारित एथेनॉल प्लांट तक नहीं पहुंचना, आपराधिक जिम्मेदारी के लिए पर्याप्त नहीं..

कथित चावल घोटाले में उच्च न्यायालय ने दी संचेती, माहेश्वरी, कावरे सहित 7 लोगों को जमानत..

जगप्रेरणा बालाघाट।

बालाघाट जिले के वारासिवनी में संचेती राईस मिल में एथेनॉल प्लांट के चावल के पाये जाने को बड़ा करोड़ों का चावल घोटाला बताया जाकर बालाघाट पुलिस अधीक्षक आदित्य मिश्रा के नेतृत्व में जून माह से शुरू कर धड़ाधड़ कार्यवाहियां करते हुए बालाघाट, सिवनी एवं गोंदिया व छ.ग. तक राईस मिलर्स से पूछताछ और जांच का कार्य करते

हुए कार्यवाही की जा रही थी, लेकिन इन कार्यवाहियों में जहां पूर्व में न्यायालय ने एबीजे एथेनॉल प्लांट के मालिकों की अग्रिम जमानत एवं जेल पहुंचाये गए गोंदिया के खंडेलवाल बंधुओं की जमानत मंजूर कर ली थी, वहीं अब माननीय उच्च न्यायालय ने चावल घोटाले के मामले में वारासिवनी के गंभीर संचेती, सौरभ संचेती, सोनू जैन, गौरव माहेश्वरी, कुंजबिहारी पटले एवं अविनाश कावरे की भी जमानत याचिका मंजूर कर ली है, तथा प्रकरण में सुनवाई करते हुए टिप्पणी भी की है, और जमानत के कारण का उल्लेख भी किया है। मध्यप्रदेश हाईकोर्ट, जबलपुर के न्यायमूर्ति अजय कुमार निरंकारी की पीठ ने 19 सितंबर 2026 को यह आदेश पारित किया। मामला वारासिवनी थाना, जिला बालाघाट में दर्ज अपराध क्रमांक 272/2026 से संबंधित है। अभियोजन के अनुसार, 3 जून 2026 को सरकारी चावल के कथित गबन/डायवर्जन की सूचना के बाद वारासिवनी के तहसीलदार एवं नायब तहसीलदार

ने संचेती राईस मिल में औचक निरीक्षण किया था। निरीक्षण के दौरान परिसर में खड़े एक ट्रक में 490 बोरी, लगभग 242.55 किंटल सरकारी चावल लदा पाया गया। बताया गया कि यह चावल एफसीआई वेयरहाउस, नवेगांव, बालाघाट से छिंदवाड़ा के बोरगांव स्थित एबीजे प्लांट के लिये भेजा गया था। जांच के दौरान पुलिस ने दस्तावेज, इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्य, सीसीटीवी फुटेज तथा खाली चावल की बोरियां जब्त करने की बात कही। अभियोजन के अनुसार संचेती राईस मिल से करीब 2,000 खाली बोरियां बरामद हुईं, जिनमें से 977 बोरियों को अंबिका राईस मिल से संबंधित बताया गया। जांच में यह आरोप भी सामने आया कि एथेनॉल प्लांट के लिए भेजे गए कुछ चावल को राईस मिलों में उतारा गया। आवेदकों की ओर से दलील दी गई कि उनके खिलाफ चावल को डायवर्ट करने, गबन करने, परिवहन करने या प्राप्त करने में उसकी कोई प्रत्यक्ष भूमिका दर्शाने वाली ठोस सामग्री रिकॉर्ड पर नहीं है। अभियोजन ने जमानत का विरोध करते हुए जांच में जुटाए गए दस्तावेजों, इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्यों, और विभिन्न व्यक्तियों के बयानों का हवाला दिया। हाईकोर्ट ने कहा कि वर्तमान चरण में रिकॉर्ड पर ऐसा कोई विशिष्ट प्रत्यक्ष कृत्य सामने नहीं आया है, जिससे यह प्रदर्शित हो कि आवेदक ने स्वयं चावल डायवर्ट किया, उसे किसी अनधिकृत

स्थान पर उतरवाया या कथित डायवर्जन से कोई लाभ प्राप्त किया। केवल चावल का निर्धारित एथेनॉल प्लांट तक नहीं पहुंचना, अपने आप में आवेदक पर आपराधिक जिम्मेदारी डालने के लिए पर्याप्त नहीं है।

10 लाख रुपये के बंधपत्र पर जमानत..

कोर्ट ने स्पष्ट किया कि जमानत देते समय मामले के गुण-दोष पर कोई राय व्यक्त नहीं की जा रही है। अदालत ने आवेदक की जमानत अर्जी स्वीकार करते हुए 10 लाख रुपये के व्यक्तिगत मुचलके और 10 लाख रुपये की सक्षम जमानत पर रिहाई का निर्देश दिया। जमानत की शर्तों के तहत आवेदक को पासपोर्ट जांच अधिकारी के समक्ष जमा करना होगा, जांच में सहयोग करना होगा तथा जांच अधिकारी द्वारा मांगे जाने पर संबंधित दस्तावेज एवं सामग्री उपलब्ध करानी होगी। साथ ही उसे मुकदमे की प्रत्येक निर्धारित तारीख पर दायर कोर्ट में उपस्थित रहना होगा। न्यायालय ने यह भी स्पष्ट किया कि जमानत आदेश मामले की सुनवाई के अंत तक प्रभावी रहेगा, लेकिन जमानत की शर्तों का उल्लंघन होने पर यह प्रभावहीन हो सकता है।

एथेनॉल प्लांट को बेचा गया चावल खरीदना अपराध है ऐसे निर्देश जारी नहीं किये गए तो फिर कोई भी राईस मिलर्स चावल की खरीदी कर सकता था ?

जगप्रेरणा गोंदिया।

बालाघाट जिले में भारतीय खाद्य निगम द्वारा एथेनॉल प्लांट को जो चावल दिया गया, वह चावल खुले बाजार में नहीं बेचा जाना चाहिये, इसकी कोई जानकारी सार्वजनिक तौर पर भारतीय खाद्य निगम द्वारा प्रसारित नहीं की गई, जबकि चावल का व्यापार करने वाले राईस मिलर्स धान एवं चावल

राईस मिलर्स एसोसिएशन गोंदिया के अध्यक्ष अशोक सी. अग्रवाल ने सरकारी चावल खरीद मामले में राईस मिलर्स का बड़ा पक्ष..

कार्यवाही हो तो सिर्फ एथेनॉल प्लांट मालिकों पर ना ही राईस मिलर्स पर..

जगप्रेरणा गोंदिया।

बालाघाट जिले में भारतीय खाद्य निगम द्वारा एथेनॉल प्लांट को जो चावल दिया गया, वह चावल खुले बाजार में नहीं बेचा जाना चाहिये, इसकी कोई जानकारी सार्वजनिक तौर पर भारतीय खाद्य निगम द्वारा प्रसारित नहीं की गई, जबकि चावल का व्यापार करने वाले राईस मिलर्स धान एवं चावल

राईस मिलर्स एसोसिएशन गोंदिया के अध्यक्ष अशोक सी. अग्रवाल ने सरकारी चावल खरीद मामले में राईस मिलर्स का बड़ा पक्ष..

कार्यवाही हो तो सिर्फ एथेनॉल प्लांट मालिकों पर ना ही राईस मिलर्स पर..

जगप्रेरणा गोंदिया।

बालाघाट जिले में भारतीय खाद्य निगम द्वारा एथेनॉल प्लांट को जो चावल दिया गया, वह चावल खुले बाजार में नहीं बेचा जाना चाहिये, इसकी कोई जानकारी सार्वजनिक तौर पर भारतीय खाद्य निगम द्वारा प्रसारित नहीं की गई, जबकि चावल का व्यापार करने वाले राईस मिलर्स धान एवं चावल

राईस मिलर्स एसोसिएशन गोंदिया के अध्यक्ष अशोक सी. अग्रवाल ने सरकारी चावल खरीद मामले में राईस मिलर्स का बड़ा पक्ष..

कार्यवाही हो तो सिर्फ एथेनॉल प्लांट मालिकों पर ना ही राईस मिलर्स पर..

विज्ञापन आमंत्रित है..

मो. हासिब खान

जिला सिवनी

संपर्क - मो. 7898530101

3

बुधवार 23 सितंबर 2026

जग प्रेरणा

live

जिला सिवनी

बरघाट, छपारा, केवलारी, घंसौर, लखनादौन, धनोरा एवं संपूर्ण सिवनी जिले की खबरें..

विज्ञापन

आमंत्रित है..

संपर्क - मो. 9329033433

कुरई पुलिस ने सुलझाई अंधे कत्ल की गुत्थी..

पैसे के लेनदेन के विवाद में वृद्ध की हत्या, आरोपी गिरफ्तार..

जगप्रेरणा सिवनी।
पुलिस अधीक्षक सिवनी
कृष्ण लालचंदानी (भा.पु.से.)
के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस
अधीक्षक दीपक मिश्रा तथा
एसडीओपी बरघाट ललित गठरे
के कुशल मार्गदर्शन में

थाना कुरई पुलिस को अंधे हत्याकांड का खुलासा करने में महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त हुई है। दिनांक 16/09/2026 को प्राथी द्वाराका मेश्राम निवासी ग्राम जिरैवाड़ा द्वारा थाना कुरई में रिपोर्ट दर्ज कराई गई कि उसके 75 वर्षीय पिता मनीराम मेश्राम दिनांक 10/ 09/ 2026 को दोपहर 12:30 बजे से लापता हैं। परिजनों द्वारा काफी तलाश के बाद भी सुराग न मिलने पर अपहरण की आशंका व्यक्त की गई। उक्त सूचना पर थाना कुरई में अपराध क्र. 418/2026 धारा 140(3) बीएनएस के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर जांच प्रारंभ की है। विवेचना के दौरान दिनांक 20/09/2026 को ग्राम रमली के जंगल में नालीनुमा स्थान पर एक प्लास्टिक की बोरी से ढका हुआ अज्ञात शव प्राप्त हुआ। मौके पर पहुंचकर मृतक के पुत्र द्वाराका मेश्राम एवं नाती



शिवम द्वारा शव की शिनाख्त गुमशुदा मनीराम मेश्राम के रूप में की गई। शव अत्यधिक सड़ी-गली अवस्था में होने से मेडिकल कॉलेज सिवनी की फॉरेंसिक एक्सपर्ट टीम द्वारा पोस्टमार्टम कार्यवाही कराई गई। परिजनों द्वारा बताए अनुसार मृतक अंतिम बार गांव के ही अखिलेश कावल के साथ देखा गया था।

संदेह एवं तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर संदेही अखिलेश पिता अशोक कावल उम्र 37 साल निवासी ग्राम जिरैवाड़ा को तलब कर सघन पूछताछ की गई। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि मृतक मनीराम मेश्राम द्वारा अपनी जमीन 13 लाख रुपये में बेची गई थी, जिसको लेकर मृतक

एवं आरोपी के बीच पैसे के लेनदेन को लेकर विवाद चल रहा था। इसी आर्थिक विवाद के चलते आरोपी ने वृद्ध की हत्या कर दी और साक्ष्य छिपाने के उद्देश्य से शव को रमली के जंगल में फेंक दिया था। संपूर्ण विवेचना एवं प्राप्त साक्ष्यों के आधार पर प्रकरण में धारा 140(3), 103(1) एवं 238 बीएनएस के तहत अपराध पंजीबद्ध कर आरोपी अखिलेश कावल पिता अशोक कावल उम्र 37 साल निवासी ग्राम जिरैवाड़ा को विधिवत गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया है।

सराहनीय भूमिका..

थाना प्रभारी निरीक्षक कृपाल शाह तैकाम, उप निरीक्षक इंजनसिंह मर्सकोले, सडन शैलेन्द्र डोगरे, सडन भुपेन्द्र नागेश्वर, सडन दिलीप सरयाम, प्र.आर. चंचलेश नरवरे, प्र.आर. राजेश माथरे, प्र.आर. महेन्द्र परतेती, आर. अविनाश पांडे, आर. राजेन्द्र कटरे, आर. सतीश इनवाती, आर. मुकेश भगत, आर. प्रकाश उडके, आर. ललित शर्मा, चालक आर. यशपाल सिंह उडके की सराहनीय भूमिका रही।

यूपीआई भुगतान पर प्रस्तावित 0.4 प्रति. शुल्क का सिवनी चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज ने किया विरोध

जगप्रेरणा सिवनी।
सिवनी चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड
इंडस्ट्रीज ने 15 अक्टूबर 2026 से UPI
भुगतान पर प्रस्तावित 0.4 प्रतिशत शुल्क
(MDR) लगाए जाने के प्रस्ताव का पुरजोर
विरोध करते हुए केंद्र सरकार से इसे
तत्काल प्रभाव से निरस्त करने की मांग
की है।

चैंबर का मानना है कि PI देश के व्यापारिक एवं आर्थिक लेन-देन की एक अत्यंत महत्वपूर्ण और सुविधाजनक व्यवस्था बन चुकी है।

छोटे एवं मध्यम व्यापारियों सहित आम उपभोक्ताओं ने इसे व्यापक रूप से अपनाया है। ऐसे में PI लेन-देन पर अतिरिक्त शुल्क लगाए जाने से व्यापारियों पर अनावश्यक वित्तीय भार पड़ेगा तथा डिजिटल भुगतान को बढ़ावा देने के प्रयास भी प्रभावित हो सकते हैं। चैंबर ने केंद्र सरकार से आग्रह किया है कि व्यापारिक समुदाय की व्यावहारिक कठिनाइयों को ध्यान में रखते हुए प्रस्तावित 0.4 प्रतिशत MDR को तत्काल वापस लिया जाए तथा इस संबंध में सरकार द्वारा स्पष्ट एवं ठोस निर्णय

लिया जाए। चैंबर ने यह भी निर्णय लिया है कि जब तक सरकार इस प्रस्ताव को वापस लेने के संबंध में ठोस कदम नहीं उठाती, तब तक व्यापारी बंधुओं से आग्रह है कि वे 2,000 ₹. से अधिक के भुगतान के लिए UPI को स्वीकार करने के स्थान पर अन्य डिजिटल भुगतान माध्यमों—जैसे NEFT, RTGS अथवा चेक—का विकल्प ग्राहकों को उपलब्ध कराएं।

चैंबर ने स्पष्ट किया कि यह पहल व्यापारियों एवं ग्राहकों के हितों को ध्यान में रखते हुए शांतिपूर्ण एवं लोकतांत्रिक तरीके से अपनी आपत्ति दर्ज कराने के उद्देश्य से की जा रही है। साथ ही सिवनी चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज द्वारा जिले के विभिन्न व्यापारी संगठनों एवं व्यापारिक संस्थाओं से चर्चा कर सामूहिक रणनीति तैयार करने का प्रस्ताव भी पारित किया गया है। आवश्यकता पड़ने पर सभी व्यापारी संगठनों को साथ लेकर आगामी कार्यनीति निर्धारित की जाएगी। चैंबर ने केंद्र सरकार से अपेक्षा व्यक्त की है कि वह देश के व्यापारिक समुदाय की भावनाओं और व्यावहारिक समस्याओं को समझते हुए PI पर प्रस्तावित 0.4 प्रतिशत शुल्क के निर्णय को तत्काल प्रभाव से निरस्त करने की दिशा में ठोस कदम उठाएगी।

छपारा सेवा संकल्प अभियान कार्यक्रम के अंतर्गत मेरे सपनों का भारत की ड्राइंग एवं भाषण प्रतियोगिता..



जगप्रेरणा सिवनी।

जिले के ग्राम देवरी के हायर सेकेंडरी स्कूल कार्यक्रम में सम्मिलित हुआ स्कूल के मिडिल स्कूल एवं हाई स्कूल के छात्र-छात्राओं ने ड्राइंग एवं भाषण प्रतियोगिता में बड़ चढ़कर पूरे उत्साह के साथ भाग लिया जिसमें ड्राइंग एवं भाषण प्रतियोगिता में मिडिल स्कूल एवं हाई स्कूल के जिन प्रतिभागी छात्र-छात्राओं ने भाग लिया था उनमें से उत्कृष्ट ड्राइंग एवं उत्कृष्ट भाषण

के आधार पर तीन-तीन प्रतिभागियों का चयन कर उन्हें प्रथम द्वितीय एवं तृतीय श्रेणी का प्रमाण पत्र प्रदान किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि प्रशांत सिंह जी क्षेत्र के वरिष्ठ मिथिलेश चौकसे, संतोष राजपूत, योगेंद्र साहू, अंकित सिंह, राजेश चौकसे, शाला के प्राचार्य श्री राहंगडाले शाला के अध्यापक एवं अध्यापिकाएं एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं की गरिमामयी में उपस्थिति रही।

बाल समाज गणेश उत्सव 68 वर्ष में प्रवेश, उत्सव को लेकर बच्चों में उत्साह



इस आयोजन की विशेषता है कि दोपहर में गणेश कथा एवं महिलाओं द्वारा विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की जाती हैं। सुबह शाम बच्चों की टोली द्वारा गणेश वंदना एवं पूजन किया जाता है।

बाल समाज गणेश उत्सव ड्यूटी वार्ड बरघाट रोड के अध्यक्ष विनोद यादव ने बताया कि सभी कार्यक्रम अनुशासन एवं आपसी सामंजस के साथ संपन्न कराए जा रहे हैं इसमें युवा मंडल बालिका मंडल एवं बुजुर्ग लोगों का विशेष मार्गदर्शन लिया जा रहा है। आयोजन समिति में मुख्य रूप से डॉक्टर सदाफल अशोक नाविक कुंदन यादव प्रह्लाद नाविक निर्मल यादव कन्हैया नाविक एडवोकेट के मार्गदर्शन में सभी कार्यक्रम संपन्न हो रहे हैं। इस आयोजन में निरंतर भक्तों का टांका लगा रहा है साथ ही भक्तों के लिए समुचित व्यवस्था कर ध्यान रखा जा रहा है।

आशीष साहू के घर विराजे गजानन, 38 वर्षों से स्वयं बना रहे गणेश प्रतिमा

जगप्रेरणा कान्हीवाड़ा।
गणेशोत्सव के
अवसर पर
कान्हीवाड़ा बस स्टैंड
निवासी आशीष साहू
के निवास पर
भगवान श्री गणेश
की आकर्षक प्रतिमा
विराजमान की गई है।

खास बात यह है कि आशीष साहू पिछले 38 वर्षों से लगातार अपने हाथों से गणेश प्रतिमा का निर्माण करते आ रहे हैं। आशीष साहू बिना किसी सांचे के मिट्टी से प्रतिमा को अपने हाथों से आकार देते हैं। गणेश जी की प्रतिमा बनाने की यह कला उन्होंने वर्षों से अपनी मेहनत



से उपलब्ध हैं, ऐसे समय में वर्षों से स्वयं प्रतिमा बनाकर गणेशोत्सव मनाने की परंपरा निश्चित रूप से प्रेरणादायक है।

रमेश राय बने भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा के जिला उपाध्यक्ष..

जगप्रेरणा कान्हीवाड़ा।

भारतीय जनता पार्टी पिछड़ा वर्ग मोर्चा के जिला अध्यक्ष रविशंकर पाल ने गत दिवस अपनी जिला कार्यकारिणी की घोषणा की। घोषित कार्यकारिणी में कान्हीवाड़ा निवासी एवं भाजपा के सक्रिय कार्यकर्ता रमेश राय को जिला उपाध्यक्ष की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है। रमेश राय लंबे समय से भारतीय जनता पार्टी संगठन से जुड़े हुए हैं और विभिन्न दायित्वों पर रहते हुए संगठन के लिए कार्य करते आ रहे हैं। वे पूर्व में भाजपा कान्हीवाड़ा मंडल अध्यक्ष जैसे महत्वपूर्ण पद का दायित्व भी संभाल चुके



हैं। भाजपा संगठन में लंबे अनुभव और सक्रिय भूमिका के चलते रमेश राय की नियुक्ति को क्षेत्र के पार्टी कार्यकर्ताओं के लिए महत्वपूर्ण जिम्मेदारी के रूप में देखा जा रहा है। कान्हीवाड़ा मंडल क्षेत्र में वे पार्टी के सक्रिय कार्यकर्ता के रूप में लगातार संगठनात्मक गतिविधियों में सहभागिता करते रहे हैं।

जिला उपाध्यक्ष बनाए जाने पर भाजपा कार्यकर्ताओं, समर्थकों एवं क्षेत्रवासियों ने रमेश राय को बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित की हैं। कार्यकर्ताओं ने उम्मीद जताई कि वे पिछड़ा वर्ग मोर्चा को मजबूत करने और संगठन के विस्तार में अपनी भूमिका निभाएंगे।

ग्लेशियर चोटी का सफल आरोहण करने वाले जतिन बंदेवार का कलेक्टर ने किया सम्मान..

जगप्रेरणा सिवनी।

सवनी के कन्हीवाड़ा निवासी युवा पर्वतारोही जतिन बंदेवार ने अरुणाचल प्रदेश के माउंट गोरिचैन की 16,460 फीट ऊंचाई वाली ग्लेशियर चोटी का सफल आरोहण कर भारतीय तिरंगा फहराया। जिले को गौरवान्वित करने वाली इस उपलब्धि पर कलेक्टर श्रीमती नेहा मीना ने मंगलवार को जतिन को शाल एवं श्रीफल भेंट कर सम्मानित किया तथा उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर जतिन के पिता श्री संतोष बंदेवार एवं माता श्रीमती शिवकुमारी बंदेवार भी उपस्थित रहे। कलेक्टर श्रीमती मीना ने जतिन को उपलब्धि की सराहना करते हुए उनका उत्साहवर्धन किया। उन्होंने जतिन से उनकी पर्वतारोहण यात्रा, प्रशिक्षण तथा अभियान के दौरान आई चुनौतियों के संबंध में विस्तार से चर्चा की। साथ ही आगामी पर्वतारोहण अभियानों एवं कार्ययोजना की जानकारी लेते हुए उन्हें आगे बढ़ने के लिए हर संभव सहयोग एवं मदद का भरोसा दिलाया। कलेक्टर श्रीमती



मीना ने कहा कि जतिन ने कठिन पर्वतीय परिस्थितियों में साहस, अनुशासन और निरंतर मेहनत के साथ यह उपलब्धि हासिल कर सिवनी जिले को गौरवान्वित किया है। उनकी सफलता जिले के अन्य युवाओं के लिए भी प्रेरणादायी है और उन्हें अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित होकर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करती है। उनकी इस उपलब्धि से उनके परिवार के साथ-साथ सिवनी जिले का नाम भी गौरवान्वित हुआ है। कलेक्टर द्वारा सम्मान एवं सहयोग के आश्वासन पर जतिन और उनके माता-पिता ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए आभार जताया।

प्रदेश और देश के कई ग्रामीण इलाके आज भी कनेक्टिविटी के संकट से जूझ रहे; धनोरा मुख्यालय से 2 किमी बाहर निकलते ही सिग्नल गायब, जनता परेशान..

केवलारी में कांग्रेस विधायक और प्रदेश में भाजपा सरकार, राजनीतिक खींचतान के बीच डिजिटल खाई में धकेली जा रही ग्रामीण जनता..

जगप्रेरणा बलजीत सिंह धनोरा।
देशभर में डिजिटल इंडिया,
कैशलेस लेन-देन और 5 जी नेटवर्क के विस्तार के बड़े-बड़े दावे किए जा रहे हैं। लेकिन जमीनी हकीकत यह है कि देश और मध्य प्रदेश के अधिकांश ग्रामीण



राजनीतिक खींचतान और उपेक्षा, जिम्मेदार कौन?

यह स्थिति केवल किसी एक तकनीकी खराबी का नतीजा नहीं, बल्कि नीतिगत और प्रशासनिक उदासीनता का प्रमाण है। बड़ा सवाल यह उठता है कि आखिर इसका जिम्मेदार कौन है? केवलारी विधानसभा क्षेत्र में स्थानीय विधायक कांग्रेस पार्टी से हैं, जबकि मध्य प्रदेश में भाजपा की सरकार है। इस राजनीतिक समीकरण के बीच ग्रामीण जनता

की स्थिति बेहद दयनीय है। अधिकांश गांवों में एयरटेल, वोडाफोन-आइडिया और बीएसएनएल जैसी कंपनियों के सिग्नल नाममात्र के हैं। कहीं-कहीं केवल रिलायंस जियो का नेटवर्क हल्का-फुल्का पकड़ता है, लेकिन वह भी इतना कमजोर रहता है कि सामान्य वॉयस कॉल पर भी ठीक से बात नहीं हो पाती। बात करने के लिए ग्रामीणों को आज भी घरों की छतों, टीलों या खुले मैदानों की ओर दौड़ना पड़ता है।

नेटवर्क न होने से ग्रामीण क्षेत्रों को हो रहा चौतरफा नुकसान:

शिक्षा और जागरूकता से दूरी: इंटरनेट के इस दौर में ग्रामीण छात्र ऑनलाइन पढ़ाई, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी और डिजिटल सामान्य ज्ञान से वंचित हो रहे हैं। सोशल मीडिया व इंटरनेट के माध्यम से जो जागरूकता गांव तक पहुंचनी चाहिए, वह नेटवर्क के अभाव में रुक गई है। आपातकालीन सेवाओं में व्यवधान: रात-बिरात किसी मरीज के लिए 108 एंबुलेंस बुलानी हो या किसी घटना पर डायल 100 पुलिस को सूचना देनी हो, कॉल कनेक्ट न होने के कारण जान-माल का खतरा बना रहता है। शासकीय योजनाओं और बैंकिंग में अड़चन: राशन दुकानों पर पीओएस (POS) मशीन का सर्वर न मिलना, लाडली बहना या किसान कल्याण योजनाओं की ई-केवाईसी, आधार सत्यापन और ऑनलाइन पैसे के लेन-देन के लिए ग्रामीणों को दिनभर भटकना पड़ता है।

जगप्रेरणा के सीधे सवाल..

- डिजिटल भारत में ग्रामीण भारत पीछे क्यों? जब देश के शहरों में आधुनिक तकनीक का विस्तार हो रहा है, तो मध्य प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों और धनोरा के 114 गांवों को बुनियादी 4 जी नेटवर्क के लिए भी क्यों तरसना पड़ रहा है?
- जनप्रतिनिधि मौन क्यों? स्थानीय विधायक और सांसद ने ग्रामीण कनेक्टिविटी को लेकर टेलीकॉम कंपनियों और संघीय मंत्रालय के समक्ष अब तक क्या ठोस पहल की?
- सरकारी टेलीकॉम सेवा BSNL की बदहाली का जिम्मेदार कौन? ग्रामीण अंचलों में सरकारी नेटवर्क आज तक मजबूत और भरोसेमंद क्यों नहीं बन सका?

पीड़ित मानवता की सेवा ही परम उद्देश्य- इंद्रजीत भोज, दक्षिण बैहर के प्रभावित ग्रामों में पहुंचा श्रमजीवी पत्रकार संघ..

बैगा परिवारों को राहत सामग्री वितरित, कोरका, कुडेकसा, अडोरी और बोंडारी का किया दौरा, स्वास्थ्य सुविधाओं की जमीनी स्थिति का लिया जायजा

जगप्रेरणा बालाघाट। **बालाघाट जिले के दक्षिण बैहर क्षेत्र के उन ग्रामों में जहां पिछले कुछ महीनों से संक्रामक बीमारियों के कारण जनजातीय परिवारों को कठिन परिस्थितियों का सामना करना पड़ा और बड़ी संख्या में मासूम बच्चों की असमय मृत्यु हुई है,**

वहां अब स्वास्थ्य एवं प्रशासनिक व्यवस्थाओं में लगातार सुधार देखने को मिल रहा है। प्रभावित ग्रामों में स्वास्थ्य सुविधाओं की स्थिति जानने और जरूरतमंद परिवारों की मदद के उद्देश्य से मध्यप्रदेश श्रमजीवी पत्रकार संघ जिला इकाई बालाघाट के पदाधिकारियों एवं पत्रकारों ने ग्राम कोरका, कुडेकसा, अडोरी एवं बोंडारी का दौरा किया।

मध्यप्रदेश श्रमजीवी पत्रकार संघ के जिला अध्यक्ष इंद्रजीत भोज के नेतृत्व में पत्रकारों ने इन ग्रामों में पहुंचकर बैगा जनजाति के ग्रामीणों से मुलाकात की तथा उनकी स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं, पेयजल, दैनिक आवश्यकताओं और अन्य परेशानियों की जानकारी ली। इस दौरान जरूरतमंद परिवारों को कंबल, वस्त्र, पाट्य सामग्री तथा दैनिक उपयोग की अन्य आवश्यक वस्तुएं वितरित की गईं।

पत्रकार संघ के जिला अध्यक्ष इंद्रजीत भोज ने ग्रामीणों से चर्चा के दौरान कहा कि वर्तमान में इन प्रभावित ग्रामों पर शासन-प्रशासन की विशेष निगरानी है। स्वास्थ्य विभाग की टीमों द्वारा लगातार ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। उन्होंने बताया कि आपात स्थिति से निपटने के लिए स्वास्थ्य अमलें और एंबुलेंस की व्यवस्था भी की गई है। पेयजल सुविधा को लेकर भी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जा



रही हैं। श्री भोज ने कहा कि प्रभावित क्षेत्रों में स्थिति सामान्य करने के लिए प्रशासन द्वारा जमीनी स्तर पर लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। स्वास्थ्य विभाग की टीमों की सक्रियता से ग्रामीणों को उपचार एवं आवश्यक स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध हो रही हैं।

सेवा कार्यों को आगे भी जारी रखने का संकल्प

इंद्रजीत भोज ने कहा कि प्रदेश अध्यक्ष शलभ भदौरिया के मार्गदर्शन में मध्यप्रदेश श्रमजीवी पत्रकार संघ सामाजिक सरोकारों से जुड़े कार्यों को निरंतर आगे बढ़ा रहा है। पत्रकारिता केवल समाचार संकलन और प्रकाशन तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज के जरूरतमंद और पीड़ित वर्गों की आवाज उठाना तथा आवश्यकता पड़ने पर उनकी सहायता के लिए आगे आना भी सामाजिक दायित्व का हिस्सा है।

आगे कहा कि संघ भविष्य में भी प्रभावित ग्रामों के लोगों की आवश्यकताओं को समझते हुए यथासंभव सहयोग करता रहेगा। पीड़ित मानवता की सेवा को संघ अपने प्रमुख उद्देश्यों में शामिल करता है।

सोशल मीडिया पर राहत के नाम पर राशि संग्रह को लेकर जताई आपत्ति

मध्यप्रदेश श्रमजीवी पत्रकार संघ जिला अध्यक्ष इंद्रजीत भोज ने कुछ बाहरी सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स एवं स्वयं को पत्रकार बताने वाले लोगों की गतिविधियों पर भी आपत्ति जताई। उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ लोगों ने प्रभावित बैगा ग्रामों की परिस्थितियों को सोशल मीडिया पर प्रस्तुत करते हुए जिले की छवि को नुकसान पहुंचाने का प्रयास किया और राहत के नाम पर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर क्यूआर कोड जारी कर राशि एकत्रित की। श्री भोज ने कहा कि यदि किसी क्षेत्र में संकट की स्थिति है तो वहां पीड़ितों की सहायता के लिए पारदर्शी और जिम्मेदार तरीके से कार्य होना चाहिए। पत्रकारिता को उन्होंने जनसेवा और जनहित से जुड़ा दायित्व बताते हुए कहा कि आपदा अथवा संकट की परिस्थितियों को निजी लाभ का माध्यम नहीं बनाया जाना चाहिए।

वहीं उन्होंने कहा कि पूर्व में स्वास्थ्य व्यवस्था को लेकर कुछ कमियां सामने आई थीं। जिनके बाद प्रशासन एवं स्वास्थ्य विभाग द्वारा व्यापक स्तर पर सुधारात्मक कदम उठाए गए। वर्तमान में प्रभावित ग्रामों में स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता और निगरानी व्यवस्था में सुधार हुआ है। उन्होंने कहा कि मीडिया और सोशल मीडिया के माध्यम से किसी भी क्षेत्र की वास्तविक स्थिति को तथ्यों के साथ सामने रखना आवश्यक है, ताकि जरूरतमंद लोगों तक सही सहायता पहुंच सके।

इस दौरान संघ के महासचिव ओमेंद्र बिसेन, मध्यप्रदेश श्रमजीवी पत्रकार संघ तहसीलदार ईकाई बिरसा देवेन्द्र अध्यक्ष संतोष बिसेन, महासचिव तेहेंद्र बलिये, उपाध्यक्ष कादर अली खान, सहसचिव महेन्द्र बिसेन, लवली हान्डा, संतोष कटरे, दत्तारज पटेल, भोजु राजत, विपिन राणा, अभिषेक सोनेकर, नसीम अली, अशोक टागरे, चित्रसेन राहागखले, डिलेन्द्र पंचतिलक, यश शेन्द्रे, सोनु अली, बिसन नगपुरे, अपदीप मेश्राम, असलम मूसा, साजिद खान सहित अनेक पत्रकार एवं संघ के पदाधिकारी और सहयोगी उपस्थित रहे।

बैगा समाज के लिए स्थायी रोजगार के साधन विकसित करने की मांग - सरपंच सुश्री रोशनी मेरावी

अजय रजक, जगप्रेरणा गढ़ी। **बालाघाट जिले के अंतिम छोर पर स्थित गढ़ी के आस पास के बैगा समाज की वर्तमान आर्थिक स्थिति एवं सीमित होते आजीविका के साधनों को लेकर ग्राम पंचायत गढ़ी की सरपंच सुश्री रोशनी मेरावी ने शासन एवं प्रशासन से बैगा परिवारों के लिए स्थायी,**



अथवा सहायता योजनाओं पर निर्भर रखने के बजाय ऐसे स्थायी रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए जाने चाहिए, जिनसे उनकी आने वाली पीढ़ियां भी सम्मानपूर्वक जीवन यापन कर सकें। **शासन-प्रशासन से सरपंच की प्रमुख मांगें**

सरपंच सुश्री रोशनी मेरावी ने शासन एवं प्रशासन से मांग की है कि—

बैगा बहुल क्षेत्रों में विशेष आजीविका एवं रोजगार सर्वे कराया जाए। प्रत्येक बैगा परिवार की आर्थिक स्थिति के अनुसार स्थायी आय का साधन विकसित किया जाए। महुआ, शहद, लाख, चार, हर्रा, बहेरा सहित लघु वनोपज के लिए स्थानीय प्रसंस्करण एवं मूल्य संवर्धन केंद्र स्थापित किए जाएं।

बैगा महिलाओं के स्व-सहायता समूहों को वनोपज आधारित लघु उद्योगों से जोड़ा जाए। बैगा युवाओं को स्थानीय स्तर पर कौशल प्रशिक्षण एवं

रोजगार उपलब्ध कराया जाए। कृषि, पशुपालन, बकरी पालन, मुर्गी पालन, मधुमक्खी पालन एवं अन्य स्वरोजगार गतिविधियों के लिए आर्थिक एवं तकनीकी सहायता दी जाए। वन संरक्षण, पौधरोपण, जल संरक्षण एवं जैव-विविधता संरक्षण के कार्यों में स्थानीय बैगा युवाओं को नियमित रोजगार दिया जाए।

बैगा समाज द्वारा तैयार उत्पादों के लिए स्थायी बाजार एवं बेहतर मूल्य की व्यवस्था की जाए। पात्र परिवारों को उनके

अधिकारों एवं उपलब्ध सरकारी योजनाओं का प्रभावी लाभ दिलाया जाए। ग्राम सभा एवं स्थानीय समुदाय की भागीदारी से बैगा समाज के लिए एकिकालीन एवं टिकाऊ आजीविका योजना तैयार की जाए।

सुश्री रोशनी मेरावी ने कहा कि बैगा समाज को केवल सहायता का पात्र नहीं, बल्कि विकास की प्रक्रिया का सक्रिय भागीदार बनाया जाना चाहिए। सरकार यदि उनके पारंपरिक ज्ञान, कौशल और स्थानीय संसाधनों को आधुनिक बाजार एवं तकनीक से जोड़ती है तो बैगा परिवारों के लिए स्थायी आय के मजबूत अवसर तैयार किए जा सकते हैं। उन्होंने शासन एवं प्रशासन से आग्रह किया कि बैगा समाज के वर्तमान आर्थिक संकट को गंभीरता से लेते हुए विशेष कार्ययोजना तैयार की जाए तथा उसे धरातल पर लाया किया जाए, ताकि बैगा परिवारों को सम्मानजनक जीवन, नियमित रोजगार और उनकी आने वाली पीढ़ियों के लिए सुरक्षित भविष्य मिल सके।

अतिवृष्टि से खराब फसल का मुआवजा, धान का भाव 5 हजार करने की मांग..

गबन की पुनः जांच और दोषियों पर एफफ़ाईआर की मांग, संचालक मंडल के चुनाव का मुद्दा भी उठा

जगप्रेरणा परसवाड़ा। **कृषि उपज मंडी परिसर में मंगलवार को बहुउद्देशीय प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति मर्यादित परसवाड़ा पंजीयन क्रमांक 584 की साधारण वार्षिक आमसभा हुई। इसमें समिति क्षेत्र के सैकड़ों किसान शामिल हुए।**

आमसभा में समिति के आय-व्यय की जानकारी किसानों को दी गई। इसके साथ ही अतिवृष्टि से खराब हुई फसल का मुआवजा, फसल में बीमारी से हुए नुकसान, धान का भाव बढ़ाने और समिति में हुए कथित गबन की पुनः जांच कराने सहित कई मुद्दों पर किसानों ने अपनी मांगें रखीं।

गबन की पुनः जांच की मांग

आमसभा में पूर्व संचालक कन्हैया लाल भगत के कार्यकाल से जुड़े समिति के कथित गबन की पुनः जांच कराने की मांग किसानों ने एक स्वर में रखी। किसानों ने कहा कि मामले की जांच कर दोषियों पर कार्रवाई की जाए और यदि राशि का गबन हुआ है तो संबंधितों से उसकी वसूली की जाए। बैंक के कैशियर को हटाने तथा पूर्व कार्यकाल के वित्तीय मामलों की जांच कराने की मांग भी उठी।

भूरा और लाल माहू से फसल खराब होने का मुद्दा

बैठक में अतिवृष्टि के साथ फसल में भूरा माहू और लाल माहू के प्रकोप से हुए नुकसान का मुद्दा भी प्रमुखता से उठा। किसानों ने नुकसान का सर्वे करकर राहत राशि दिलाने की मांग की। धान का



भाव बढ़ाकर 5 हजार रुपए प्रति क्विंटल करने की मांग भी रखी गई। किसानों ने कहा कि उपज का मूल्य किसान स्वयं तय नहीं करता, इसलिए उन्हें उचित मूल्य मिलना चाहिए।

बुधवार को ज्ञापन सौंपेंगे किसान

समिति अध्यक्ष तामेश्वर पटेल ने कहा कि आमसभा में समिति क्षेत्र के सैकड़ों किसान उपस्थित हुए और उन्हें समिति के आय-व्यय की जानकारी दी गई। किसानों ने अपनी समस्याएं और मांगें भी रखीं।

उन्होंने बताया कि अतिवृष्टि के साथ भूरा माहू और लाल माहू के प्रकोप से किसानों की फसल खराब हुई है। नुकसान की भरपाई की मांग को लेकर बुधवार को किसानों द्वारा शासन-प्रशासन को ज्ञापन सौंपा जाएगा।

पटेल ने कहा कि किसानों को कीट प्रकोप से हुए नुकसान के लिए मुआवजे का प्रावधान नहीं होने की बात सामने आती है, लेकिन आरबीसी 6/4 के प्रावधानों के तहत पात्रता के अनुसार राहत दिलाने की मांग शासन से की जाएगी। उन्होंने कहा कि आमसभा में किसानों ने एक स्वर में अपनी

समस्याएं रखीं। किसानों की फसल के नुकसान को देखते हुए शासन से राहत राशि दिलाने का प्रयास किया जाएगा।

संचालक मंडल का चुनाव कराने पर जोर

किसानों ने समिति के संचालक मंडल का चुनाव कराने की मांग भी रखी। किसानों का कहना था कि चुनाव के माध्यम से समिति के संचालन में उनकी भागीदारी सुनिश्चित होगी। समिति की कार्य व्यवस्था को सुचारू करने और कर्मचारियों द्वारा किसानों के साथ सम्मानजनक व्यवहार किए जाने की मांग भी रखी गई।

पुरानी बारदाना से धान खरीदी नहीं करने की मांग

किसानों ने धान खरीदी के दौरान फटे और पुराने बारदाना का उपयोग नहीं करने की बात कही। समिति स्तर पर कीटनाशक की दुकान खोलने, समिति कार्यालय के सामने कॉम्प्लेक्स बनाने और शेरपार में स्थित भवन में फिनिशिंग कार्य कराने के सुझाव भी दिए गए।

खेमेश्वर बिसेन को पुनः रखने का प्रस्ताव

आमसभा में खेमेश्वर बिसेन को समिति के कार्य में पुनः रखने का प्रस्ताव रखा गया। किसानों ने कहा कि उनकी फइलें बार-बार तैयार कराने के बजाय रिकॉर्ड व्यवस्थित रखा जाए और हर वर्ष अनावश्यक दस्तावेज नहीं मांगे जाएं। व्यय पूंजी पर ब्याज दिए जाने की मांग भी रखी गई। साथ ही पिछले वर्ष की आमसभा के प्रस्तावों को किसानों के समक्ष पढ़कर सुनाने की बात कही गई।

बैठक में समिति अध्यक्ष तामेश्वर पटेल, उपाध्यक्ष स्वरूप अजीत, जनपद उपाध्यक्ष कांति राहंगडाले, किसान संघ के हरि चावले, अशोक कटरे, सुल्तान सिद्दीकी, टेकराम राणा, यशवंत सहित बड़ी संख्या में किसान मौजूद रहे।

बस कंडक्टर का बेटा बना असिस्टेंट प्रोफेसर : बेटे के संघर्ष को सलाम..

उकवा के समीप ग्राम सोनपुरी निवासी टुण्डीलाल कोलते के सुपुत्र हिमांशु कोलते का सहायक प्राध्यापक कॉमर्स के पद पर चयन, क्षेत्र में हर्ष की लहर..

संजना मोनू बर्वे, जगप्रेरणा उकवा। **प्रतिभा किसी सुविधा और पहचान की मोहताज नहीं होती, यह कहावत एक बार फिर सच साबित कर दिखाई है, खनिज नगरी उकवा के समीप ग्राम सोनपुरी के लाल हिमांशु कोलते ने।**

साधारण बस कंडक्टर के पुत्र हिमांशु कोलते का प्राध्यापक वाणिज्य में (Assis-tant Professor) के पद पर चयन हुआ है। हिमांशु के पिता श्री टुण्डीलाल कोलते एक बस



कंडक्टर है और माता श्रीमती गीता कोलते एक गृहिणी हैं। सीमित संसाधनों के बावजूद माता-पिता ने अपने बच्चों की शिक्षा में कोई कमी नहीं आने दी।

शिक्षा और संघर्ष की कहानी

हिमांशु की प्रारंभिक शिक्षा जवाहर नवोदय विद्यालय, वारासिवनी से हुई। इसके बाद उन्होंने उच्च शिक्षा गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर से प्राप्त की। हिमांशु ने बताया कि इस मुकाम तक पहुंचने के लिए उन्होंने लगातार 2 साल तक कठोर तैयारी की।

हिमांशु दो भाई-बहनों में बड़े हैं। उनकी छोटी बहन मुस्कान और बड़ी बहन मालती कोलते ने भी बताया कि भैया बचपन से ही पढ़ाई में अक्वल थे और आज उन्होंने पूरे परिवार गांव और समाज का नाम रोशन कर दिया।

चयन की खबर मिलते ही ग्राम सोनपुरी और उकवा क्षेत्र में हर्ष का माहौल है। ग्रामीणों, जनप्रतिनिधियों और युवाओं ने हिमांशु को बधाई देते हुए कहा कि हिमांशु की सफलता क्षेत्र के उन तमाम युवाओं के लिए प्रेरणा है जो अभाव में भी बड़े सपने देखते हैं। हिमांशु ने अपनी सफलता का श्रेय अपने माता-पिता, गुरुजनों और अपने कठिन परिश्रम को दिया है।

झालीवाड़ा के स्कूल का कलेक्टर ने किया निरीक्षण बच्चों से चर्चा कर परखा शिक्षा का स्तर, एफएलएन पर विशेष ध्यान देने के निर्देश

कैलाश कसार, जगप्रेरणा वारासिवनी।

मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के तहत 18 सितंबर को वारासिवनी में आयोजित शिविर के दौरान कलेक्टर कुमार सत्यम ने ग्राम झालीवाड़ा पहुंचकर शासकीय प्राथमिक शाला का निरीक्षण किया। उन्होंने विद्यालय में उपलब्ध व्यवस्थाओं का जायजा लेने के साथ बच्चों से चर्चा कर उनके शिक्षा के स्तर की जानकारी ली।



कलेक्टर ने शिक्षकों को एफएलएन (मूलभूत

साक्षरता एवं संख्यात्मक ज्ञान) पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बच्चों की शैक्षणिक प्रगति पर नियमित रूप से ध्यान दिया जाए तथा एफएलएन की हर माह समीक्षा की जाए, ताकि विद्यार्थियों के बुनियादी शैक्षणिक स्तर में सुधार सुनिश्चित हो सके।

निरीक्षण के दौरान जिला पंचायत सीईओ तनुश्री मीणा एवं एसडीएम श्रीश प्यासी सहित संबंधित अधिकारी

उपस्थित रहे।

॥ श्री जीणमाता की जय ॥

प्रो. मनीष वर्मा, मो. 9425448126

मान्यता ऑटो पार्दर्स

सभी प्रकार की टू-व्हीलर गाड़ियों के स्पेयर पार्ट्स मिलते हैं एवं गाड़ियाँ सुधारी जाती है ।

वार्ड नं. 17, महाराणा प्रताप चौक, शाह कॉम्पलेक्स, बालाघाट (म.प्र.)



॥ जय गुलाब बाबा नमः ॥



उमंग दिवस: किशोरियों को बताई स्वास्थ्य, सुरक्षा के साथ जीवन कौशल की कला..

जगप्रेरणा लांजी।
पीएम श्री शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय लांजी में मंगलवार को उमंग दिवस के अवसर पर किशोरियों के स्वास्थ्य, सुरक्षा और जीवन कौशल को लेकर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। राष्ट्रीय किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम एवं उमंग स्कूल हेल्थ एंड वेलनेस प्रोग्राम के तहत आयोजित कार्यक्रम में छात्राओं को स्वास्थ्य संबंधी जानकारी देने के साथ ही साइबर अपराध से बचाव और कानून के प्रति जागरूक किया गया। कार्यक्रम में उमंग एम्बेसडर गुरवंती सिंगोतिया एवं उमंग कार्डसलर शिव हरिनखेड़े ने छात्राओं से संवाद करते हुए किशोरावस्था में होने वाले शारीरिक एवं मानसिक बदलाव, पोषण, मानसिक स्वास्थ्य, यौन एवं प्रजनन स्वास्थ्य, मादक पदार्थों से बचाव, संचारी एवं असंचारी रोग, चोट एवं हिंसा तथा लिंग आधारित भेदभाव जैसे विषयों पर जानकारी दी। छात्राओं को अपनी समस्याओं को बिना झिझक साझा करने, सही निर्णय लेने और कठिन परिस्थितियों में उचित सहायता लेने के लिए प्रेरित किया गया।



साइबर अपराध से बचने के बताए तरीके..

कार्यक्रम में लांजी पुलिस विभाग से एसआई विधि पाण्डेय ने छात्राओं को साइबर अपराध और साइबर सुरक्षा के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी दी। उन्होंने सोशल मीडिया का सावधानीपूर्वक एवं जिम्मेदारी से उपयोग करने, अनजान लिंक या संदेश पर प्रतिक्रिया नहीं देने तथा किसी भी संदिग्ध गतिविधि की स्थिति में तत्काल विश्वसनीय व्यक्ति

अथवा संबंधित विभाग से सहायता लेने के लिए जागरूक किया। इसके साथ ही छात्राओं को बाल सुरक्षा और कानून से जुड़े प्रावधानों की जानकारी भी दी गई। कार्यक्रम के दौरान जीवन कौशल आधारित गतिविधियां, प्रश्नोत्तरी एवं संवादात्मक सत्र आयोजित किए गए। छात्राओं ने इनमें उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए विभिन्न सवाल पूछे और अपनी जिज्ञासाओं का समाधान प्राप्त किया। विद्यालय के प्राचार्य पी.के. भीमटे ने छात्राओं को स्वास्थ्य एवं सुरक्षा के प्रति सजग रहने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में एस.के. बोरकर, ए.के. लटारे, बसंत रामटेके, उमंग एम्बेसडर गुरवंती सिंगोतिया, उमंग कार्डसलर शिव हरिनखेड़े, एसआई विधि पाण्डेय सहित विद्यालय का समस्त स्टाफ उपस्थित रहा। कार्यक्रम का सफल संचालन उच्च माध्यमिक शिक्षक आनंद लटारे ने किया। कार्यक्रम के अंत में छात्राओं को अपने स्वास्थ्य, सुरक्षा और अधिकारों के प्रति जागरूक रहने तथा अन्य छात्राओं को भी जागरूक करने का संदेश दिया गया। इस दौरान 'स्वस्थ किशोरी, सुरक्षित किशोरी और सशक्त किशोरी-उज्ज्वल भविष्य की ओर' का संदेश दिया गया।

महावीर इंटरनेशनल द्वारा सुकुन की छाँव अभियान, धुरपति बाई और प्यारेलाल को दी बड़ी छतरी..

जगप्रेरणा लांजी।
सेवा और मानवता के उद्देश्य से कार्यरत महावीर इंटरनेशनल लांजी एवं महाकौशल जोन रीजन-9 द्वारा संचालित 'शकुन की छाँव' अभियान के तहत जरूरतमंद लोगों को



छतरियों का वितरण किया गया। अभियान के अंतर्गत ग्राम पंचायत कुम्हारिकला निवासी धूपत बाई पंटे एवं ग्राम पंचायत पालडोंगरी निवासी प्यारेलाल टांडेकर को छतरी प्रदान की गई। महावीर इंटरनेशनल महाकौशल जोन के चेयरमैन एवं लांजी केंद्र चेयरमैन विशाल राउत खोंगल ने बताया कि संस्था द्वारा 'शकुन की छाँव' अभियान के माध्यम से धूप और बारिश में कार्य करने वाले श्रमिकों, छोटे व्यापारियों, रेहड़ी-पटरी व्यवसायियों तथा जरूरतमंद आम नागरिकों को निःशुल्क छतरियां उपलब्ध कराई जा रही हैं। अभियान का उद्देश्य मौसम की प्रतिकूल परिस्थितियों में मेहनतकश और जरूरतमंद लोगों को राहत देने के साथ समाज में सेवा, सहयोग और संवेदनशीलता की भावना को मजबूत करना है। उन्होंने कहा कि महावीर इंटरनेशनल द्वारा

स्वास्थ्य सेवाओं, विशेष रूप से नेत्र चिकित्सा, निःशुल्क चिकित्सा शिविर, रक्तदान, नेत्रदान, पर्यावरण संरक्षण, महिला सशक्तिकरण, शिक्षा, कौशल विकास एवं आपदा राहत सहित विभिन्न क्षेत्रों में निरंतर सेवा कार्य किए जा रहे हैं। संस्था 'सबको प्यार, सबकी सेवा-जियो और जीने दो' के सिद्धांत को आत्मसात करते हुए जनहित के कार्यों को आगे बढ़ा रही है।

इस अवसर पर समाजसेवी झनकार किरनापुरे ने कहा कि महावीर इंटरनेशनल के सेवा कार्य क्षेत्र में अपनी अलग पहचान बना चुके हैं। विशेषकर सड़क किनारे छोटे व्यवसाय करने वाले लोगों और श्रमिकों के लिए छतरी वितरण जैसी पहल उपयोगी साबित हो रही है। उन्होंने कहा कि यह छतरी जरूरतमंदों के लिए वास्तव में 'शकुन की छाँव' का काम करेगी। कुम्हारिकला एवं पालडोंगरी के ग्रामीणों ने भी संस्था के सेवा कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि जरूरत के समय लोगों की मदद करना समाज सेवा का वास्तविक स्वरूप है। लाभार्थियों ने छतरी मिलने पर महावीर इंटरनेशनल के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में विनय कालबेले, अंचल कालबेले, चंदन सिंह कालबेले, तोमेश्वर बापु, प्रकाश बल्लरखेड़े, प्रशांत कालबेले, इंद्रकुमार पम्पू कावड़े, अंचल उमरे, गणेश उमरे, अनिल सोरकुरे, सुनील उमरे, सुशील उमरे, दिव्यांश कावड़े सहित संस्था के पदाधिकारी, सदस्य एवं अन्य नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम में उपस्थित सदस्यों ने सेवा और मानवता से जुड़े ऐसे कार्यों को भविष्य में भी निरंतर जारी रखने का संकल्प लिया।

किरनापुर के राजा के दरबार में सांस्कृतिक कार्यक्रमों की धूम..

जगप्रेरणा किरनापुर।
गुजरी चौक स्थित प्राचीन एवं प्रसिद्ध 'किरनापुर के राजा' गणपति बाप्पा के दरबार में गणेशोत्सव के पावन अवसर पर



भव्य सांस्कृतिक एवं खेलकूद कार्यक्रमों का आयोजन धूमधाम से किया जा रहा है। आयोजन के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं एवं स्थानीय नागरिकों ने उपस्थित होकर भगवान श्री गणेश का पूजन-अर्चना किया तथा आयोजित प्रतियोगिताओं में बह-चढ़कर भाग लिया। गणेशोत्सव समिति द्वारा आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रमों की श्रृंखला में बच्चों एवं युवाओं के लिए प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया उपस्थित जनसमूह का मन मोह लिया।

इसी क्रम में सभी वर्ग के श्रद्धालुओं के लिए कुसी दौड़ (चेयर रेस) सहित विभिन्न मनोरंजक एवं पारंपरिक खेलों का आयोजन हुआ। प्रतियोगिताओं में बच्चों, युवाओं और महिलाओं ने पूरे उत्साह और उमंग के साथ हिस्सा लिया। समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि गुजरी चौक में हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी गणेशोत्सव पर्व बड़े ही हर्षोल्लास और श्रद्धाभाव के साथ मनाया जा रहा है। प्रतिदिन महाआरती के पश्चात

प्रसाद वितरण एवं सांस्कृतिक संस्था का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें संपूर्ण किरनापुर क्षेत्र के श्रद्धालु शामिल होकर धर्मलाभ ले रहे हैं। घर-घर विराजे गणपति बाप्पा की पूजा पाठ बड़े ही भक्ति भाव से की जा रही है। हवन पूजन भंडारा आयोजन के पश्चात अब घरों में छोटे-छोटे बच्चों का रिकॉर्डिंग डांस जस भजन का आयोजन बड़े ही जोर-शोर से किया जा रहा है। छोटे-छोटे बच्चों की शानदार प्रस्तुति ने श्रद्धालुओं का मन मोह लिया है।

॥ श्री जीणमाला की जय ॥

प्रो. मनीष वर्मा, मो. 9425448126

मान्यता ऑटो पार्ट्स

सभी प्रकार की टू-व्हीलर गाड़ियों के स्पेयर पार्ट्स मिलते हैं एवं गाड़ियाँ सुधारी जाती हैं।

वार्ड नं. 17, महाराणा प्रताप चौक, शाह कॉम्प्लेक्स, बालाघाट (म.प्र.)

॥ जय गुलबर्ग बाबा नमः ॥

HERO, BAJAJ, HONDA, TVS



स्वस्थ भविष्य के लिए आयुर्वेद, शिविर लगाकर बताया वृद्धावस्था में होने वाली परेशानियां..

जगप्रेरणा लांजी।
संचालनालय आयुष मध्यप्रदेश भोपाल के निर्देश एवं जिला आयुष अधिकारी बालाघाट के मार्गदर्शन में आगामी 23 सितंबर को वैश्विक आयुर्वेद दिवस



के तहत चल रहे जागरूकता कार्यक्रमों की कड़ी में 21 सितंबर को विश्व अल्जाइमर दिवस पर क्षेत्र में विभिन्न गतिविधियां आयोजित की गईं। इस वर्ष वैश्विक आयुर्वेद दिवस की मुख्य थीम 'Aayurveda for a Healthier Tomorrow' यानी 'स्वस्थ भविष्य के लिए आयुर्वेद' रखी गई है। इसी क्रम में आयुष्मान आरोग्य मंदिर (आयुष) देवलगांव, चंदोरा, करंजा, पालडोंगरी, मोहहरी एवं टेमनी द्वारा विभिन्न ग्रामों में वृद्धावस्था स्वास्थ्य शिविर लगाए गए। शिविरों में बड़ी संख्या में वृद्धजनों की स्वास्थ्य जांच कर उन्हें वृद्धावस्था में होने वाली सामान्य स्वास्थ्य समस्याओं, मानसिक स्वास्थ्य, याददाश्त में कमी, दैनिक जीवन में सावधानियां तथा स्वस्थ एवं सक्रिय जीवनशैली के संबंध में जागरूक किया गया।

स्वास्थ्यकर्मियों एवं आयुष विभाग की टीम ने वृद्धजनों को नियमित स्वास्थ्य जांच कराने, संतुलित आहार लेने, पर्याप्त नींद, शारीरिक गतिविधियों और सामाजिक रूप से सक्रिय रहने के महत्व की जानकारी दी। साथ ही उम्र बढ़ने के साथ होने वाली स्वास्थ्य संबंधी परेशानियों को नजरअंदाज नहीं करने की सलाह दी गई।

बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण कर किया पौधारोपण..

कार्यक्रम के अंतर्गत शासकीय होम्योपैथिक औषधालय लांजी द्वारा प्राथमिक शाला काशीटोला में बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। बच्चों के स्वास्थ्य की जांच के साथ उन्हें व्यक्तिगत स्वच्छता एवं स्वस्थ जीवनशैली के प्रति जागरूक किया गया। इसके बाद विद्यालय परिसर में पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया। इसी क्रम में आयुष्मान आरोग्य मंदिर बड़गांव, किरनापुर द्वारा भी वृद्धावस्था स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। यहां वृद्धजनों की स्वास्थ्य जांच एवं परामर्श के साथ स्वस्थ वृद्धावस्था को लेकर आवश्यक जानकारी दी गई।

आयुष विभाग द्वारा आयोजित इन गतिविधियों का उद्देश्य केवल उपचार तक सीमित न रहकर बचाव, जागरूकता और स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देना है। विभाग के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में आयुष पद्धतियों और स्वास्थ्य संबंधी जागरूकता को जन-जन तक पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है।

चित्रकला और भाषणों से बताया मेरे सपनों का भारत, सेवा संकल्प अभियान

जगप्रेरणा लांजी।
सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत 'मेरे सपनों का भारत' विषय पर चित्रकला एवं भाषण प्रतियोगिता का आयोजन 21 सितंबर सोमवार को दोपहर 2 बजे शासकीय



उच्चतर माध्यमिक विद्यालय साडरा के प्रांगण में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती की पूजा-अर्चना के साथ हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि महेन्द्र पटले जनपद सदस्य लांजी, सुरेंद्र पटले, शाला प्रबंधन समिति अध्यक्ष, चंद्रशेखर जांभुरे उपसरपंच, विरेंद्र घोरमारे एवं मनोज पटले सहित विद्यालय के समस्त शिक्षक-शिक्षिकाएं उपस्थित रहे। प्रतियोगिता के दौरान विद्यार्थियों ने 'मेरे सपनों का भारत' विषय पर

अपनी कल्पनाओं और विचारों को चित्रों एवं भाषण के माध्यम से प्रस्तुत किया। मुख्य अतिथि एवं उपस्थित सदस्यों ने चित्रकला प्रतियोगिता में विद्यार्थियों की कृतियों का मूल्यांकन किया। इसके बाद भाषण प्रतियोगिता का भी मूल्यांकन किया

गया। मुख्य अतिथि महेन्द्र पटले ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए सेवा संकल्प अभियान के प्रमुख उद्देश्यों एवं विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने विद्यार्थियों को देश के विकास में अपनी भूमिका निभाने तथा राष्ट्रहित की भावना के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। इसके पश्चात चित्रकला एवं भाषण प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को मुख्य अतिथि एवं अन्य अतिथियों द्वारा प्रमाण पत्र वितरित कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के अंत में विद्यालय के प्राचार्य एस. के. नारनो ने सभी अतिथियों, विद्यार्थियों एवं शिक्षकों के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन एम. के. गुर्दे एवं ज्योतिष लिलहारे ने किया। आयोजन को सफल बनाने में विद्यालय के समस्त शिक्षक-शिक्षिकाओं का सराहनीय योगदान रहा।

सेवा संकल्प अभियान से मेरे सपनों का भारत..

शासकीय महाविद्यालय में भाषण और चित्रकला प्रतियोगिता आयोजित

जगप्रेरणा लांजी।
शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय लांजी में विद्यार्थियों की प्रतिभा को मंच देने और उनके व्यक्तित्व विकास के उद्देश्य से विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया।



सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत 'मेरे सपनों का भारत' विषय पर भाषण एवं चित्रकला प्रतियोगिता आयोजित हुई। विद्यार्थियों ने राष्ट्र निर्माण, सेवा भावना, देशप्रेम और सामाजिक दायित्वों से जुड़े विचार भाषण के माध्यम से प्रस्तुत किए, वहीं चित्रों के जरिए अपने सपनों के भारत की कल्पना को रंगों में उकेरा। 22 सितंबर को आयोजित कार्यक्रम में जिला पंचायत बालाघाट के विधायक प्रतिनिधि गौरव बैस ने विद्यार्थियों की चित्रकला का अवलोकन किया और उनकी रचनात्मकता की सराहना की। उन्होंने विद्यार्थियों के भाषण भी ध्यानपूर्वक सुने तथा उनका उत्साहवर्धन किया। बैस ने कहा कि छात्र जीवन में मिलने वाले अवसरों का लाभ उठाते हुए अनुशासन को जीवन का हिस्सा बनाना चाहिए। कार्यक्रम का संचालन एनके मेश्राम ने किया। आयोजन प्रभारी शिक्षिका बबिता चौधरी एवं शिक्षक रविंद्र नागदेवे के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ।

इसी क्रम में विद्यालय में उमंग दिवस भी उत्साह के साथ मनाया गया। मां सरस्वती के पूजन एवं दीप प्रज्वलन के साथ कार्यक्रम की शुरुआत हुई। विद्यार्थियों ने विभिन्न सांस्कृतिक, रचनात्मक एवं मनोरंजक गतिविधियों में भाग लेकर अपनी प्रतिभा दिखाई। उमंग गतिविधि प्रभारी अभिलाषा मौर्य ने 'खुद को जाने' विषय पर गतिविधि

अवगत कराया और कमजोर विद्यार्थियों को अतिरिक्त सहयोग देने पर चर्चा की। बैठक में एसएमसी अध्यक्ष रेखा शुक्ला, उपाध्यक्ष गायत्री मिसरे, जनप्रतिनिधि दिनेश लांडे, भूतपूर्व छात्र आदित्य नागपुरे सहित शिक्षक, अभिभावक एवं विद्यालय स्टाफ मौजूद रहा। आयोजनों से विद्यालय परिसर में पूरे दिन उत्साह और सकारात्मक ऊर्जा का माहौल बना रहा।

लेख, लघु कथा,
कविताएं एवं साहित्य
सामग्रीयां आमंत्रित है..

Email - jagprernaw@gmail.com
Whatsapp - 94070-33433

7 बुधवार 23 सितंबर 2026

जग प्रेरणा

साहित्य अभिव्यक्ति

■ संपादकीय ■ लेख ■ कविता ■ व्यंग्य ■ महाशब्द पहेली (शब्द ज्ञान)



दैनिक जग प्रेरणा
में साहित्य लेख
रचनाएं प्रकाशन के
लिये संपर्क करें..
एकता आशीष वर्मा
मो. 9407033433

ड्रग्स के वैश्विक सिंडिकेट की अब खैर नहीं नशे के सौदागरों पर भारत का महासंकल्प..

वैश्विक स्तरपर आज नशाखोरी केवल किसी एक देश, राज्य या समाज की समस्या नहीं रह गई है, बल्कि यह वैश्विक सुरक्षा,सार्वजनिक स्वास्थ्य, युवा शक्ति, सामाजिक स्थिरता और अर्थव्यवस्था के सामने खड़ी बहुआयामी चुनौती बन चुकी है।मादक पदार्थों का अवैध व्यापार सीमाओं,समुद्री मार्गों और आधुनिक संचार साधनों को पार करते हुए अंतरराष्ट्रीय अपराध जगत से जुड़ रहा है। मै एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूँ कि इसका प्रभाव केवल नशे का सेवन करने वाले व्यक्ति तकसीमित नहीं रहता,बल्कि परिवार,शिक्षा,रोजगार,कानून-व्यवस्था और सामाजिक विकास की पूरी संरचना को प्रभावित करता है।भारत ने इस चुनौती के विरुद्ध जन- जागरूकता से लेकर कठोर प्रवर्तन तक अनेक स्तरों पर प्रयास प्रारंभ किए हैं।इसी व्यापक रणनीति के बीच नई दिल्ली में 22 और 23 सितंबर 2026 को राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के मादक पदार्थ विरोधी कार्यबल प्रमुखों का तीसरा राष्ट्रीय सम्मेलन शुरू है।केंद्रीय गृह मंत्री द्वारा उद्घाटित इस सम्मेलन में 36 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के कार्यबल प्रमुखों के साथ संबंधित सरकारी विभागों तथा अन्य हितधारकों के प्रतिनिधि शामिल होकर चर्चा कर रहे हैं।

साथियों, इस सम्मेलन की मूल भावना «संयुक्त संकल्प, साझा जिम्मेदारी» रखी गई है,जो अपने आप में इस समस्या की प्रकृति को स्पष्ट करती है।मादक पदार्थों का जाल किसी एक विभाग की कार्रवाई से समाप्त नहीं किया जा सकता।इसके लिए पुलिस, खुफिया तंत्र, सीमा सुरक्षा,वित्तीय जांच,स्वास्थ्य व्यवस्था,शिक्षा तंत्र, न्यायिक प्रक्रिया और स्थानीय प्रशासन के बीच लगातार समन्वय आवश्यक है। सरकार द्वारा जारी जानकारी के अनुसार सम्मेलन में मादक पदार्थ नियंत्रण के लिए 2026- 2029 के दृष्टि दस्तावेज में निर्धारित लक्ष्यों की प्रगति कोसमीक्षा की जा रही है। साथ ही मादक पदार्थों की आपूर्ति घटाने, मांग कम करने तथा इनके कारण होने वाली क्षति को कम करने की रणनीतियों पर भी विचार किया जा रहा है।

साथियों,नशे के विरुद्ध लड़ाई का पहला महत्वपूर्ण पक्ष जन-जागरूकता है।किसी भी समाज में यदि युवा पीढ़ी को नशे के दुष्परिणामों के प्रति समय रहते जागरूक किया जाए,परिवारों को संवेदनशील बनाया

जाए और विद्यालयों तथा महाविद्यालयों में स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा दिया जाए तो नशे की मांग को कम करने में सहायता मिल सकती है। भारत में नशामुक्त भारत अभियान जैसे प्रयास इसी दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। लेकिन केवल जागरूकता से समस्या का पूर्ण समाधान संभव नहीं है। यदि एक ओर समाज को नशे से दूर रहने का संदेश दिया जाए और दूसरी ओर अवैध तस्करी का नेटवर्क लगातार नई राहें खोजता रहे, तो समस्या का मूल स्रोत बना रहेगा।इसलिए मांग को कम करने के साथ आपूर्ति के स्रोत, तस्करी के मार्ग, वित्तीय नेटवर्क और संगठित आपराधिक संरचनाओं पर भी समान रूप से कार्रवाई आवश्यक है।

साथियों, यही कारण है कि नई दिल्ली सम्मेलन का ध्यान केवल पारंपरिक तस्करी तक सीमित नहीं है। सम्मेलन के तकनीकी सत्रों में मादक पदार्थ तस्करी के संगठित गिरोहों को समाप्त करने, कृत्रिम रूप से तैयार किए जाने वाले नशीले पदार्थों और गुप्त प्रयोगशालाओं से निपटने, अवैध खेती रोकने तथा अंधकारमय अंतरजाल और आभासी मुद्राओं के माध्यम से होने वाली तस्करी की जांच जैसे विषय शामिल हैं। यह बदलाव बताता है कि मादक पदार्थों का अपराध जात भी तकनीकी साधनों का उपयोग कर रहा है और कानून-प्रवर्तन संस्थाओं को उसी गति से अपनी क्षमता विकसित करनी होगी।विशेष रूप से कृत्रिम नशीले पदार्थों का बढ़ता खतरा प्रशासन के लिए नई चुनौती प्रस्तुत करता है। पारंपरिक मादक पदार्थों की तुलना में कृत्रिम पदार्थों का निर्माण छोटे और छिपे हुए स्थानों पर भी किया जा सकता है। इनके निर्माण में प्रयुक्त रासायनिक पूर्ववर्ती पदार्थों की निगरानी इसलिए महत्वपूर्ण हो जाती है। यदि इन पदार्थों की वैध औद्योगिक आपूर्ति और अवैध उपयोग के बीच प्रभावी निगरानी तंत्र विकसित किया जाए,तो अवैध उत्पादन की श्रृंखला को प्रारंभिक स्तर पर ही बाधित किया जा सकता है। इसी दृष्टि से सम्मेलन में पूर्ववर्ती पदार्थों तथा कृत्रिम नशीले पदार्थों के नियंत्रण को अलग रणनीतिक स्तंभ के रूप में सटीकता से रखा गया है।

साथियों,दूसरी बड़ी चुनौती अवैध खेती और ग्रामीण क्षेत्रों में विकसित होने वाले तस्करी तंत्र की है। केवल फसल नष्ट कर देना पर्याप्त नहीं हो सकता क्योंकि यदि किसान या स्थानीय समुदाय के सामने वैध और टिकाऊ आजीविका का विकल्प उपलब्ध न

हो तो अवैध खेती किसी अन्य क्षेत्र में स्थानांतरित होने का जोखिम रहता है। इसलिए अवैध खेती रोकने के साथ वैकल्पिक फसलों, स्थानीय रोजगार और आर्थिक अवसरों को बढ़ावा देने की रणनीति भी आवश्यक है।इस सम्मेलन के तकनीकी विचार-विमर्श में अवैध खेती और वैकल्पिक फसलों को शामिल किया जाना इसी व्यापक दृष्टिकोण की ओर सटीकता से संकेत करता है।

साथियों,नशे के अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क को कमजोर करने के लिए आर्थिक प्रहार भी महत्वपूर्ण है। तस्करी से अर्जित धन जब संपत्ति, व्यवसाय, हवाला व्यवस्था या अन्य वित्तीय माध्यमों में प्रवेश करता है, तब यह अपराध की अगली पीढ़ी को आर्थिक शक्ति प्रदान करता है।इसलिए केवल तस्करी की गिरफ्तारी के बजाय अवैध आय के स्रोत, धन के प्रवाह और अपराध से अर्जित संपत्तियों की पहचान तथा कानूनी प्रक्रिया के तहत कार्रवाई पर भी ध्यान देना आवश्यक है।यहां प्रशासनिक पारदर्शिता और जवाबदेही की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है। किसी भी स्तर पर भ्रष्टाचार या मिलीभगत के आरोप सामने आने पर कानून के अनुसार निष्पक्ष जांच और दोष सिद्ध होने पर उचित कार्रवाई व्यवस्था में विश्वास मजबूत कर सकती है।

इसी संदर्भ में प्रशासनिक «शून्य सहनशीलता» का अर्थ केवल कठोर दंड नहीं, बल्कि कानून का समान, पारदर्शी और जवाबदेह अनुपालन होना चाहिए। मादक पदार्थों के विरुद्ध अभियान की सफलता इस बात पर भी निर्भर करती है कि पुलिस और प्रशासनिक तंत्र के भीतर सूचना किस गति से साझा होती है, सीमावर्ती क्षेत्रों में निगरानी कितनी प्रभावी है, जांच कितनी वैज्ञानिक है और विभिन्न एजेंसियों एक-दूसरे के साथ किस स्तर पर समन्वय करती हैं। भारत में सभी राज्यों द्वारा मादक पदार्थ विरोधी कार्यबल गठित किए जाने की जानकारी पहले से सार्वजनिक है, जिससे राज्य स्तर पर समन्वित कार्रवाई के लिए संस्थागत आधार सटीकता से तैयार हुआ है।

साथियों तकनीक इस लड़ाई का अगला निर्णायक क्षेत्र बनती जा रही है। सीमा क्षेत्रों में मानवरहित विमान, निगरानी प्रणालियां,आंकड़ा विश्लेषण, संचार निगरानी, वित्तीय लेन-देन की जांच और डिजिटल साक्ष्य का वैज्ञानिक विश्लेषण

तस्करी के बदलते तरीकों को समझने में सहायता कर सकते हैं। लेकिन तकनीक तभी प्रभावी होगी जब उसके साथ प्रशिक्षित मानव संसाधन, स्पष्ट कानूनी प्रक्रिया और विभिन्न एजेंसियों के बीच वास्तविक समय में सूचना साझा करने की व्यवस्था भी हो। इसलिए क्षमता निर्माण और समन्वय को मादक पदार्थ नियंत्रण के रणनीतिक स्तंभों में शामिल करना महत्वपूर्ण है।

साथियों,इस पूरी रणनीति का तीसरा पक्ष उपचार और पुनर्वास है। नशे की गिरफ्त में आए व्यक्ति को केवल अपराधी के रूप में देखने के बजाय, जहां कानून और परिस्थितियां इसकी अनुमति दें,उपचार, परामर्श और पुनर्वास की व्यवस्था को भी मजबूत करना आवश्यक है। परिवारों को सहायता,युवाओं के लिए परामर्श, मानसिक -सामाजिक सहयोग, पुनर्वास के बाद रोजगार तथा समाज में पुनः सम्मानजनक वापसी जैसे उपाय मांग को दीर्घकाल में कम करने में योगदान दे सकते हैं। इसी कारण सम्मेलन में मांग में कमी और क्षति में कमी के साथ पुनर्वास से जुड़े विषयों को भी चर्चा का सटीकता से हिस्सा बनाया गया है।

साथियों,अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत के लिए यह चुनौती इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि मादक पदार्थों की तस्करी किसी एक सीमा पर समाप्त नहीं होती। एक देश में तैयार पदार्थ दूसरे देश के मार्ग से तीसरे देश के बाजार तक पहुंच सकता है। इसी प्रकार धन का प्रवाह अनेक देशों की वित्तीय प्रणालियों से होकर गुजर सकता है। ऐसे में अंतरराष्ट्रीय सहयोग, सूचना साझाकरण, संयुक्त जांच और सीमा-पार अपराध नेटवर्क के विरुद्ध समन्वित कार्रवाई की आवश्यकता बढ़ जाती है।

भारत की रणनीति को घरेलू कानून-व्यवस्था के साथ अंतरराष्ट्रीय सहयोग के आनाम से भी जोड़ना आवश्यक होगा।नई दिल्ली में आयोजित यह सम्मेलन इसी व्यापक चुनौती के बीच नीति, प्रवर्तन और समन्वय के अगले चरण की दिशा निर्धारित करने का

अवसर प्रदान कर रहा है। सम्मेलन में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के मादक पदार्थ विरोधी कार्यबल को सम्मानित किया जाना तथा केंद्रीय मादक पदार्थ नियंत्रण ब्यूरो की नई वेबसाइट का शुभारंभ किया जाना संस्थागत क्षमता और सार्वजनिक पहुंच बढ़ाने की दिशा में उठाए गए कदम हैं। लखनऊ और देहरादून में केंद्रीय मादक पदार्थ नियंत्रण ब्यूरो के नए क्षेत्रीय परिसरों की आधारशिला भी इसी अवसर पर सटीकता से रखी जा रही है।

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि नशामुक्त समाज का निर्माण केवल गिरफ्तारी, जब्तों और दंड का विषय नहीं है। यह एक ऐसा राष्ट्रीय और वैश्विक प्रयास है जिसमें परिवार की जागरूकता, विद्यालय की भूमिका समाज की संवेदनशीलता,प्रशासन की जवाबदेही, पुलिस की दक्षता,सीमा सुरक्षा की मजबूती, वित्तीय निगरानी, आधुनिक तकनीक, उपचार और पुनर्वास-सभी को एक साथ काम करना होगा।भारत के 2026-2029 के मादक पदार्थ नियंत्रण दृष्टि दस्तावेज में प्रवर्तन एवं खुफिया कार्रवाई,पूर्ववर्ती और कृत्रिम नशीले पदार्थों का नियंत्रण, मांग एवं क्षति में कमी तथा क्षमता निर्माण एवं समन्वय जैसे चार रणनीतिक स्तंभ निर्धारित किए गए हैं।

इन चारों स्तंभों का प्रभावी क्रियान्वयन ही यह निर्धारित करेगा कि नशे के विरुद्ध अभियान केवल सरकारी बैठकों और जागरूकता अभियानों तक सीमित रहता है या वास्तव में तस्करी के आर्थिक, तकनीकी और संगठित अपराध तंत्र को कमजोर करने में स्थायी परिणाम देता है। इसलिए आज आवश्यकता केवल नशामुक्त भारत का संकल्प लेने की नहीं,बल्कि उस संकल्प को प्रत्येक स्तर पर जवाबदेह कार्रवाई, वैज्ञानिक जांच, सामाजिक सहयोग और निरंतर निगरानी में बदलने की है।यही समन्वित दृष्टिकोण भारत की युवा शक्ति को सुरक्षित रखने और दीर्घकालीन सामाजिक-आर्थिक विकास के लिए मजबूत आधार तैयार कर सकता है।

सुरज निकलकर जब दर्शन देता

सुबह का स्वागत पंछी ही करते सबसे पहले उठकर गीतही गाते ।
सुरज निकलकर जब दर्शन देता सब पंछी दाने ढूढ़ने बन में जाते ।

सुबह की शुरुवात किसान करते घर में गायां का दूध ही निकालते
सुरज निकलकर जब दर्शन देता किसान की फसलो में दाने भर जाते

सुबह की शुरुवात पेड़ पौधे करते सभी प्राणियों के लिए प्राणवायु देते ।
सुरज निकलकर जब दर्शन देता सभी पेड़ों के फूल खिल खिलाते ।

सुबह की तो विद्यार्थी भी ही करते सबके भविष्य के लिए तो पढ़ाई करते ।
सुरज निकलकर जब दर्शन देता मानव जीवन के लिए योगा करते ।

श्री किशोरकुमार
मलेवार गोंदिया महाराष्ट्र
मो 9405715452

बाप्पा की विदाई..

बाप्पा आए धाम में, हरषे सब नर-नारि ।
दस दिन मंगलमय रहे, सुख बरसे अविकारि ॥
सुख बरसे अविकारि, आरती भजन सुहाए ।
दुख-हर्ता सुख-कंद, मोद उर माहिं समाए ॥
कह ‘गोकुल’ कविराय, विघ्न सब मेट पराए ।
काटे भव के वलेश, धन्य प्रभु बाप्पा आए ॥

लोचन सभी अश्रु भरे, विदा होत भगवान ।
अनंत चौदस आ गई, नम मन सकल जहान ॥
नम मन सकल जहान, अबीर-गुलाल उड़ाते ।
देत विदाई लोक, नयन जल-धार बहाते ॥
कह ‘गोकुल’ कविराय, हरहु प्रभु संकट-मोचन ।
अगले बरस पधार, सजल भए सब ही लोचन ॥2 ॥

लेखक



डॉ. गोवर्धन
बिसेन ‘गोकुल’
गोंदिया (मह.)

गणपति प्रतिमा जल घुली,
नश्वर जगत दिखाय ॥
माटी का यह तन बना
माटी में मिल जाय ।
माटी में मिल जाय,
मोह ममता सब त्यागो ।
सत्य-रूप पहचान,
सुमति-पथ ऊपर जागो ॥
कह ‘गोकुल’ कविराय,
कर्म ही जग का टीका ।
पावन निर्मल रूप, जान
लो यह माटी का ॥3 ॥

भरोसा..

नौका बहती जा रही, बीच नदी की धार ।
हमें भरोसा राम का, लग जायेगी पार ॥

श्री गणेश का पर्व है, अद्भुत जिनका नूर ।
रखें भरोसा भक्त जन, होते सब दुख दूर ॥

प्रेम भव हो आपसी, मृदु वाणी व्यवहार ।
दूर रहें छल छंद से, करें भरोसा यार ॥

कृष्ण सुदामा मित्रता, जाने सब संसार ।
किया भरोसा मित्र का, हुआ विप्र उद्धार ॥

रामानन्द पाठक नन्द

शब्दवर्गपहेली क्र.- 280

1	2	3	4		5	6		7		8	9	10		11	12		13		14	
15					16			17	18		19						20			
21				22	23			24	25			26					27			
			28					29				30				31		32	33	
34					35	36					37			38	39		40			
			41	42		43			44		45			46					47	
	48				49			50			51			52			53			
54				55			56		57	58				59		60				
	61	62			63	64					65	66			67	68		69		
70					71	72				73				74		75			76	
77				78						79		80	81		82				83	
			84			85		86		87			88				89			
90	91			92			93				94			95	96		97			
	98				99			100			101			102						
103				104						105	106			107	108		109		110	111
			112				113										114			

ck;।। nk;। – 1) श्रीकृष्ण 5) नष्ट 8) मध्य प्रदेश की राजधानी 11) शिवजी 15) शिवजी के एक पुत्र का नाम 16) तसल्ली, सांत्वना 17) लगाम, श्रीकृष्ण का गोपियों के साथ किया गया नृत्य 19) खेती या फसल का हराभरा होना 20) गौतम बुद्ध के पुत्र का नाम 21) एक किस्म का लसीला पदार्थ 22) एक उपदिशा 24) पुरानी रीतियों पर आंख बंद करके चलनेवाला 27) सहिना 28) राक्षस 30) दौड़ (अं.) 31) झंडी 32) गिनती करना 34) जाप करना 35) नकल करनेवाला 37) शिवजी के सेवक 38) रिपोर्ट का हिन्दीकरण 40) साधन, तरीका 41) पातक 43) औषधी 44) गीला 45) पावन 46) हमारा एक पड़ोसी देश 48) अदाकारा श्रीदेवी के पति तथा मिस्टर इंडिया फिल्म के निर्माता 50) संख्या 51) हिमालय पर्वत की एक चोटी 53) नुकीला 54) तस्करी 55) दुर्घटना 57) आपत्ती, संकट 59) संसार 61) बांधने की क्रिया 63) हमारे एक भूतपूर्व प्रधानमंत्री 65) रसिया 67) बिलकूल 70) विप्लव, बगावत 72) झंडे आदि को हवा में डोलाना 75) कुटुंब 77) लज्जाजनक 79) पंछी 80) सिनेमा का परदा 83) नाखून 84) अनेक 85) दरिद्रता 87) जलन, पीड़ा 88) महोदय 90) घाव की छेद जिसमेंसे मवाद बहते रहता है 92) बुरी आदत 93) लाक्षणिक दृष्टी से सर्वत्र 95) ओठ 97) हमारे एक भूतपूर्व प्रधानमंत्री का कुलनाम 98) जमावड़ा 100) प्राप्त करना 101) जुलूस में की गई सामूहिक घोषणा 102) किसी को कोई चीज सुपुर्द करने की क्रिया 103) छाती 104) स्थिर दृष्टी 105) अरब के मक्का शहर का पवित्र पत्थर 107) वृक्ष का धड़ 109) सूजी 110) साथी, मित्र 112) श्रवण कराना 113) किसी काम को पुरा करने के लिये अपने प्राण तक को संकट में डालना अर्थात्वा

मुहावरा 114) महाराष्ट्र का एक प्रसिद्ध शहर Aij l:ulp;&t) दिलीपकुमार, मधुबाला व पृथ्वीराज की मुख्य भूमिकाओंवाली बड़ी लागतवाली एक प्रसिद्ध फिल्म 2) ठंड में ओढ़ी जानेवाली रुई भरी एक किस्म की चादर 3) मग्न 4)धनी 5) आफत 6) रसयुक्त 7) दीवार या दरवाजे में पड़नेवाली रेखा 9) डोली, शिबिका 10) तरंग 11) मदद 12) कण 13) हमारे एक भूतपूर्व राष्ट्रपति 14) पीछे मुड़ना 16) स्वर्गीय, अलौकिक 18) कारणसहीत 23) मुसलमान 25) कीड़ा 26) सांप का उछा हुआ सिर 28) अन्नजल 29) सूजी का एक मिष्ठान्न 31) पड़दा, वस्त्र 33) नवीन 36) कदर करनेवाला 37) दु:ख, शोक 38) एक प्रसिद्ध सितारवादक 39) पत्ता, पत्रावली 42) घी या तेल में पकाकर बनाये गये व्यंजन 44) कृतघ्न 45) हुर, कहानियाँ में वर्णित पंखोवाली स्त्री 47) गुजरात का एक प्रसिद्ध शहर, वेहरा 48) मुंबई का एक उपनगर 49) बाद 51) महिमा 52) धोबी 56) पक्षपात 58) पराजित करना 60) परत 62) धर्म का काम, एक दिन बिक जायेगा’ गीतवाली फिल्म 64) वनराज 66) मृत्यु होना 68) रिपोर्ट का हिदीकरण 69) युवा 70) मुच्छित होना 71) भला, शिष्ट 73) गवाह 74) मरा हुआ 76) रखवाली करनेवाला 78) हज्जाम 79) परिधान करना 81) मध्य प्रदेश का एक प्रसिद्ध शहर जहां मदन महल है 82) जानवर 85) पिछला, बीता हुआ 86) समय आदी का गुजरना 87) मूल्य 88) लोग 89) आगरे कर एक प्रसिद्ध दर्शनीय इमारत 91) रोग या वोट के कारण किसी अंग का फूलना 92) टंगना, फंसना 94) पृथ्वी की सतह 96) प. बंगाल का एक जिला मुख्यालय 99) कम होना, क्षीण होना 100) पवित्र, मीनाकुमारी व राजकुमार की एक प्रसिद्ध फिल्म 103) हद 105) चाची 106) बूढ़े लोगों के लिए एक संबोधन 108) नागालैंड की एक प्रमुख जाति 110) दंड 111) एक अनाज, जिसे पीसकर बेसन बनाया जाता है (जवाब अगले अंक में)

पिछले अंक के शब्दवर्गपहेली का जवाब

क	ल्	ण	सिं	ग		ख	त	म		ग	जा	न	न		ह	ड़	ब	ड़ा	ह	ट
म			ह	ज	र	त	नि	जा	मु	ही	न		ज	ली	ल		र		व	
र	ख	वा	ली		च	र	क		ला		नी	र		ध	नि	क		स	र	
क	स	र		गि	ना	ना		द	य	नी	य		अं	ब	र		रा	जी		मे
स	म		ह	र		क	रो	या	म	से		ता	दा	द		दे	र		ई	श
ना		म	ज	ह	ब		म		सिं	ग	ल		ज	ल	गां	व		र	मा	
अ	ह	म	क		जू		वा	ह		प	ट	क	ना		ना	श	वा	न		
ना	क	क	ट	ना		द	रि	या	दि	ल		र		न	ग	र		दा	सी	
म	द		र	टा		र	स	द		पा	ट	ना		ख	सै	द	दा	र		
चा	र	मी	ना	र		स	ख		व	र	ना		ज	स		पू	र		प्र	
न		ल	ग	वा	ह	क्यो		वि		य	की	न		स्व	र्णि	म		श्न		
	का		ड़	ज	य		आ	शं	का		मं	क	र		मा	दा	म			
अ	ना	प	श	नां	प		दु	आ		क	या	म	त		ज	मा		र	न	र
	प	त्थ	र		रा	जा		दि	ले	र		क		न	क	ल	ची		ह	बा
दी	ना	र		वि	क्र	मा	दि	त्य			बा	स	म	ती		दा		ह	र	ना
न			इ	ना	म		न	फै	जा	बा	द		जा	ग	र	ण		ण		



बैंक यूनियन 28 सितंबर से तीन दिन की हड़ताल के फैसले पर कायम..

नई दिल्ली, (भाषा)।
यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियंस (यूएफबीयू) ने कहा है कि वे 28 सितंबर से शुरू होने वाली तीन दिन की देशव्यापी हड़ताल की ओर आगे बढ़ेंगे, क्योंकि मंगलवार को उप-मुख्य श्रम आयुक्त के सामने हुई सुलह बैठक बेनतीजा रही।

यह सुलह बैठक वित्त मंत्रालय द्वारा बैंक कर्मचारियों से हड़ताल न करने और बातचीत के जरिये अपनी बाकी मुद्दों को सुलझाने की अपील करने के एक दिन बाद हुई।

यूएफबीयू, जो बैंकिंग कर्मचारियों के 90 प्रतिशत हिस्से का प्रतिनिधित्व करने का दावा करता है, मुख्य रूप से अन्य मांगों के साथ-साथ 5-दिन की बैंकिंग सेवा की मांग कर रहा है।

अगर यह हड़ताल होती है, तो बैंकिंग सेवाओं पर पांच दिन तक असर पड़ सकता है क्योंकि 28 सितंबर से पहले सप्ताहांत पर छुट्टी है। यह बैंकिंग क्षेत्र की छमाही 'क्लोजिंग' का समय भी होगा।

उप-मुख्य श्रम आयुक्त के साथ बैठक के बाद यूएफबीयू ने एक बयान में कहा, "वित्तीय सेवा विभाग (डीएफएस), इंडियन बैंक्स एसोसिएशन (आईबीए) और बैंक प्रबंधन की

अद्यतन और बेहतर बनाना, सभी पेंशनभोगियों के लिए एक समान महंगाई भत्ता फॉर्मूला और राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली (एनपीएस) के तहत आने वाले कर्मचारियों के लिए पुरानी पेंशन योजना (ओपीएस) में जाने का विकल्प शामिल है।

कई सरकारी बैंकों ने अपने ग्राहकों को बैंकिंग जरूरतों के लिए मोबाइल बैंकिंग, एटीएम, इंटरनेट बैंकिंग, बीसी पॉइंट और यूपीआई जैसे डिजिटल चैनल का इस्तेमाल करने के बारे में मोबाइल एसएमएस भेजना शुरू कर दिया है।

प्रस्तावित तीन दिवसीय हड़ताल का समय बैंकों की छमाही क्लोजिंग (30 सितंबर) के साथ भी पड़ रहा है, जो हिसाब-किताब मिलाने, प्रावधान और ट्रेजरी व बाजार परिचालन के लिए बहुत अहम तारीख है।

इस तरह की रुकावट और उससे ठीक पहले पड़ने वाले सप्ताहांत की वजह से, वित्तीय कैलेंडर के एक बहुत अहम समय पर बैंकिंग सेवाएं असल में पांच दिन के लिए बंद रहेंगी - जिससे ग्राहकों, व्यवसाय, सरकारी लैन-देन और अंतरराष्ट्रीय बैंकिंग परिचालन को काफी परेशानी होगी। वित्त मंत्रालय ने सोमवार को कहा था कि हड़ताल से बैंकिंग सेवाओं में रुकावट आती है जिससे जनता को परेशानी होती है। सरकार ने भरोसा दिलाया है कि वह बैंक कर्मचारियों की भलाई और उनके सही मुद्दों को बातचीत के जरिये सुलझाने के लिए प्रतिबद्ध है।

ग्वालियर दूरसंचार विनिर्माण क्षेत्र में निवेश करना चाहती हैं कई कंपनियां: सिंधिया..

बेंगलुरु, (भाषा)।
केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने मंगलवार को कहा कि कई कंपनियों ने मध्य प्रदेश के ग्वालियर में प्रस्तावित दूरसंचार विनिर्माण क्षेत्र में निवेश करने में रुचि दिखाई है।

उन्होंने कहा कि सरकार का लक्ष्य भारत को सेवा आधारित अर्थव्यवस्था से उत्पादों का विनिर्माण करने वाला देश बनाना है। सिंधिया ने यहां मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव के साथ संचार मंत्रालय के दूरसंचार विभाग द्वारा आयोजित निवेशक बैठक में शामिल होने के बाद संवाददाताओं से कहा, "कई कंपनियों ने ग्वालियर के दूरसंचार विनिर्माण क्षेत्र में निवेश करने में काफी रुचि दिखाई है।"

अधिकारियों के अनुसार, बैठक का उद्देश्य उद्योग जगत की भागीदारी बढ़ाना और ग्वालियर में स्थापित किए जा रहे एशिया के पहले दूरसंचार विनिर्माण क्षेत्र में निवेश आकर्षित करना था।

बैठक में दूरसंचार क्षेत्र से जुड़ी प्रमुख विनिर्माण कंपनियों, प्रौद्योगिकी कंपनियों, इलेक्ट्रॉनिक और कलपुर्वा विनिर्माताओं, निवेशकों, बुनियादी ढांचा उपलब्ध कराने वाली

कंपनियों तथा अन्य संबंधित पक्षों ने भाग लिया।

सिंधिया ने कहा, "हम चाहते हैं कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दृष्टिकोण और संकल्प के अनुरूप इस यात्रा में सभी निजी क्षेत्र की कंपनियां हमारे साथ मिलकर आगे बढ़ें, ताकि भारत को सेवा आधारित देश से उत्पाद विनिर्माण करने वाला देश बनाया जा सके।"

उन्होंने कहा कि देश में नवोन्मेष के साथ-साथ उत्पादन भी होना चाहिए और 'भारत में बनाओ, दुनिया के लिए बनाओ' की दिशा में आगे बढ़ना चाहिए। मुख्यमंत्री यादव ने कहा कि भारत सरकार और मध्य प्रदेश सरकार ने सिंधिया के प्रयासों से ग्वालियर के लिए दूरसंचार क्षेत्र में एक विशेष

ट्राई ने वॉयस कॉल, एसएमएस के लिए सस्ते विशेष शुल्क वाउचर जारी करने को किया अनिवार्य..

नई दिल्ली, (भाषा)।
ट्राई ने दूरसंचार कंपनियों के लिए 'वॉयस कॉल' और 'एसएमएस' के अलग से सस्ते शुल्क वाले वाउचर जारी करना अनिवार्य कर दिया है। नए नियम के तहत इन सेवाओं के साथ डेटा यानी इंटरनेट प्लान लेने की जरूरत नहीं होगी।

दूरसंचार नियामक के इस कदम से ग्राहकों को कम लागत पर फ़ोन में सिर्फ वॉयस कॉल और एसएमएस की सेवाएं मिल सकेंगी। भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) की ओर से मंगलवार को जारी दूरसंचार उपभोक्ता संरक्षण (13वां संशोधन) विनियमन, 2026 के अनुसार, दूरसंचार कंपनियों को अब 30 दिन या उससे कम वैधता वाले मौजूदा वॉयस कॉल, एसएमएस और डेटा वाले वाउचर के समान अवधि वाले केवल 'वॉयस कॉल' और एसएमएस के लिए अलग 'प्लान' भी उपलब्ध कराने होंगे।

विनियमन में कहा गया है, "सेवा प्रदाता

वाले वाउचर पर केंद्रित हैं। इस कदम से ग्रामीण क्षेत्रों और अधिक भुगतान नहीं कर पाने वाले ग्राहकों को राहत मिलने की उम्मीद है।

ट्राई ने कहा कि यह फैसला उसके उस अवलोकन के बाद लिया गया है जिसमें पाया गया कि दूरसंचार कंपनियां अलग-अलग वैधता अवधि वाले वॉयस, एसएमएस और डेटा के एसटीवी तो उपलब्ध कराती हैं, लेकिन उसी अवधि के केवल वॉयस और एसएमएस वाले विकल्प हमेशा उपलब्ध नहीं होते। जिन ग्राहकों को डेटा की जरूरत नहीं होती, उन्हें भी इस वजह से डेटा वाले संयुक्त पैक खरीदने पड़ते हैं, जिससे अनावश्यक खर्च बढ़ता है और विकल्प सीमित हो जाते हैं।

नए नियमों के तहत दूरसंचार कंपनियों को 30 दिन से अधिक वैधता वाला कम से कम एक एसटीवी भी उपलब्ध कराना होगा, जो वॉयस, एसएमएस और डेटा वाले एसटीवी की वैधता अवधि के अनुरूप हो। ये नए नियम आधिकारिक राजपत्र में अधिसूचित होने की तारीख से 30 दिन बाद लागू होंगे।

टोरेंट ने किया 910 करोड़ रुपये की स्वास्थ्य परियोजना का उद्घाटन, 800 बिस्तर वाला अस्पताल बनाएगी..

व्यारा (गुजरात), (भाषा)।
विभिन्न कारोबार क्षेत्रों से जुड़े टोरेंट समूह की परमार्थ संस्थान यूएनएम फ़उंडेशन ने मंगलवार को गुजरात के तापी जिले के व्यारा में अस्थायी तौर पर

317 बिस्तर वाले अस्पताल का उद्घाटन किया। साथ ही 800 बिस्तर वाले नए अस्पताल के निर्माण की आधारशिला रखी। सार्वजनिक-निजी भागीदारी वाली यह परियोजना दक्षिण गुजरात और पड़ोसी महाराष्ट्र के आदिवासी क्षेत्रों में स्वास्थ्य और शिक्षा सुविधाएं बढ़ाने के उद्देश्य से शुरू की गई है।

गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्रभाई पटेल ने नए अस्पताल का उद्घाटन किया और बड़े अस्पताल के लिए भूमि पूजन किया। फ़उंडेशन के अनुसार, नया अस्पताल मौजूदा 156 बिस्तर वाले सरकारी अस्पताल की जगह लेगा।

गुजरात सरकार के साथ सार्वजनिक-निजी भागीदारी के तहत विकसित इस परियोजना में 150 सीट वाले चिकित्सा महाविद्यालय बनाने की

भी योजना है।

तापी जिले का मुख्यालय व्यारा सूरत से करीब 75 किलोमीटर दूर है। सूरत आसपास का सबसे बड़ा शहर है, जहां आधुनिक चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध हैं। परियोजना से जुड़े लोगों के अनुसार, दूरी के कारण आदिवासी क्षेत्रों के मरीजों को इलाज के लिए दूर जाना पड़ता है।

मौजूदा अस्पताल परिसर में अस्थायी तौर बनाए गए नए अस्पताल में 800 बिस्तर वाले नए अस्पताल के निर्माण के दौरान मरीजों और चिकित्सा सेवाओं को जारी रखा जाएगा, ताकि इलाज की सुविधा में कोई रुकावट नहीं आए।

इस परियोजना पर करीब 910 करोड़ रुपये खर्च होने का अनुमान है। इसका पूरा खर्च टोरेंट

समूह के प्रवर्तक मेहता परिवार की परमार्थ संस्था यूएनएम फ़उंडेशन उठाएगी। फ़उंडेशन पहले से अहमदाबाद और सूरत में हृदय रोग, बाल चिकित्सा और तंत्रिका पुनर्वास संस्थान चला रहा है। इसके साथ ही गुजरात में शिक्षा और पर्यावरण संरक्षण से जुड़े कार्यक्रम भी संचालित करता है।

गुजरात के जनजातीय विकास मंत्री नरेश पटेल और राज्य मंत्री जयराम गमित भी अस्पताल के उद्घाटन समारोह में मौजूद रहे। टोरेंट समूह के निदेशक जिनल मेहता ने कहा कि यह परियोजना क्षेत्र के प्रति समूह की दीर्घकालिक प्रतिबद्धता को बताता है। मेहता ने कहा कि इससे क्षेत्र के लोगों को अत्याधुनिक इलाज और किफ़ायती चिकित्सा शिक्षा उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी। फ़उंडेशन के अनुसार, परियोजना पूरी होने के बाद करीब आठ लाख लोगों को इसका लाभ मिलेगा। 800 बिस्तर वाले अस्पताल और चिकित्सा महाविद्यालय का निर्माण चरणबद्ध तरीके से किया जाएगा। हालांकि, इसे पूरा करने की कोई समयसीमा नहीं बताई गई है।

एयरलाइन में हिस्सेदारी लेने के हवाई अड्डा परिचालकों के प्रस्ताव का नफा - नुकसान देखेंगे : नायडू..

नई दिल्ली, (भाषा)।
नागर विमानन मंत्री के. राममोहन नायडू ने मंगलवार को कहा कि सरकार एयरलाइन में हिस्सेदारी लेने के हवाई अड्डा संचालकों के प्रस्ताव से जुड़े फ़यदे एवं नुकसान का आकलन करेगी और संतुलित रुख अपनाने हुए फैसला करेगी।

इसके साथ ही नायडू ने कहा कि हवाई यात्रा की मजबूत मांग का पूरा लाभ उठाने के लिए भारतीय विमानन क्षेत्र में कम-से-कम पांच एयरलाइन होनी चाहिए, जिनमें से हरेक के पास 100 विमान हों।

नायडू ने छोटे शहरों को हवाई संपर्क से जोड़ने की 'उड़ान' योजना के अगले चरण के लिए समझौतों पर हस्ताक्षर किए जाने के मौके पर संवाददाताओं से कहा कि देश के आकार और बढ़ते हवाई अड्डा नेटवर्क को देखते हुए मंत्रालय इस दिशा में सक्रिय रूप से सहयोग कर रहा है।

उन्होंने कहा कि छोटे शहरों में भी लोग अपने आसपास हवाईअड्डा चाहते हैं। इसलिए सरकार को मौजूदा जरूरतों के साथ-साथ 2047 के विकसित भारत के लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए योजना बनानी होगी। उन्होंने कहा कि भारत में आदर्श रूप से 350 से अधिक हवाई अड्डे होने

चाहिए। किसी एयरलाइन में हिस्सेदारी लेने की अदाणी समूह की इच्छा के बारे में पूछे जाने पर नायडू ने कहा कि सरकार के लिए यह स्पष्ट है कि देश में और एयरलाइन होनी चाहिए।

उन्होंने कहा, "हवाई अड्डों और एयरलाइन का एक साथ संचालन करने के मुद्दे पर विचार-विमर्श की जरूरत है। हम इसके फ़यदे और नुकसान देखेंगे।"

नायडू ने कहा कि सरकार का पहला उद्देश्य यात्रियों को अधिक एयरलाइन के विकल्प उपलब्ध कराना है। उन्होंने कहा कि यदि कोई इस क्षेत्र में निवेश करना चाहता है तो सरकार इस विचार का समर्थन करती है।

उन्होंने कहा कि दिल्ली और मुंबई के लिए लागू ओएमडीए समझौतों को छोड़कर ऐसा कोई नियम नहीं है जो हवाई अड्डा संचालकों को एयरलाइन में हिस्सेदारी रखने से रोकता हो। उन्होंने कहा कि इस मामले में संतुलित रुख अपनाने की जरूरत है।

हालांकि, नागर विमानन मंत्री ने कहा कि इस बारे में अभी कोई निर्णय नहीं लिया गया है। प्रमुख हवाई अड्डों के लिए सार्वजनिक-निजी

भागीदारी (पीपीपी) के तहत किए गए 'परिचालन, प्रबंधन एवं विकास समझौते' (ओएमडीए) में हवाई अड्डा संचालकों के एयरलाइन में स्वामित्व को लेकर पाबंदियां हैं।

दिल्ली और मुंबई समेत प्रमुख हवाई अड्डे पीपीपी मॉडल के तहत संचालित होते हैं, जिनमें भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआर) भी हिस्सेदार है।

नागर विमानन मंत्रालय ने कहा कि क्षेत्रीय हवाई संपर्क मजबूत करने के लिए उड़ान योजना के अगले चरण के तहत राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के साथ 21 समझौता ज्ञापनों (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए हैं।

उड़ान योजना के तहत मंत्रालय, संबंधित राज्यों एवं केंद्रशासित प्रदेशों और भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआर) के बीच कुल 21 एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए हैं। एएआर इस योजना की कार्यान्वयन एजेंसी है।

मंत्रालय ने कहा कि इन समझौतों से विमानन बुनियादी ढांचे के विकास और कम सेवा वाले एवं बिना हवाई संपर्क वाले क्षेत्रों में हवाई संपर्क बढ़ाने के लिए केंद्र और राज्यों एवं केंद्रशासित प्रदेशों के बीच सहयोग मजबूत होगा।

सेबी ने अदाणी समूह की पांच कंपनियों के खिलाफ कार्यवाही का 1.50 करोड़ रुपये में निपटान किया..

नई दिल्ली, (भाषा)।
बाजार नियामक सेबी ने संबंधित पक्षों के बीच लेनदेन के खुलासे तथा ऑडिट और सीमित समीक्षा रिपोर्ट से जुड़े कथित नियम उल्लंघन के मामले में अदाणी समूह की पांच कंपनियों के खिलाफकार्यवाही का निपटारा कर दिया है।

इन कंपनियों ने सम्मिलित रूप से 1.50 करोड़ रुपये का निपटान शुल्क दिया है। भारतीय प्रतिभूति एवं विनियम बोर्ड (सेबी) के निपटान आदेश के मुताबिक, मामले में अदाणी एंटरप्राइजेज लिमिटेड, अदाणी टोटल गैस लिमिटेड, एडब्ल्यूएल एग्री बिजनेस लिमिटेड (पूर्व में अदाणी विक्मर लिमिटेड), अदाणी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड और अदाणी एनर्जी सॉल्यूशंस लिमिटेड (पूर्व में अदाणी ट्रांसमिशन लिमिटेड) शामिल हैं।

ये कार्यवाही सेबी की उस पड़ताल से जुड़ी थीं, जो अमेरिकी शोध एवं निवेश फर्म हिंडनबर्ग रिस्चर्च की जनवरी, 2023 में प्रकाशित रिपोर्ट में लगाए गए आरोपों और कॉर्पोरेट संचालन से जुड़े मुद्दों की जांच के तहत की गई थी। इसमें सूचीबद्धता नियमों और तत्कालीन सूचीबद्धता समझौते के संभावित उल्लंघनों की भी जांच की गई थी।

निपटान की शर्तों के तहत अदाणी एंटरप्राइजेज

ने 76.05 लाख रुपये और अदाणी ग्रीन एनर्जी ने 45.50 लाख रुपये का भुगतान किया। वहीं, अदाणी टोटल गैस, एडब्ल्यूएल एग्री बिजनेस और अदाणी एनर्जी सॉल्यूशंस ने 9.75-9.75 लाख रुपये दिए।

निपटान आदेश के मुताबिक, सेबी की कार्यवाही संबंधित पक्षों के कुछ लेनदेन का खुलासा नहीं करने के आरोपों और ऑडिट गुणवत्ता की पेशेवर समीक्षा से संबंधित वैध 'पीयर रिव्यू प्रमाणपत्र' नहीं रखने वाली ऑडिट फर्मों द्वारा ऑडिट या सीमित समीक्षा रिपोर्ट पर हस्ताक्षर किए जाने से जुड़ी थी। बाजार नियामक ने फरवरी, 2024 में इन कंपनियों को कारण बताओ नोटिस जारी कर पूछ था कि कथित उल्लंघनों के संबंध में जांच क्यों न की जाए और ज़ुर्माना क्यों न लगाया जाए।

समूह की प्रमुख कंपनी अदाणी एंटरप्राइजेज पर आरोप था कि उसने वित्त वर्ष 2012-13 की वार्षिक रिपोर्ट में अपनी अनुपंगी अदाणी एस्टेट्स प्राइवेट लिमिटेड और उससे संबंधित पक्ष वाकोडर इन्वेस्टमेंट लिमिटेड के बीच कुछ संबंधित-पक्ष

लेनदेन का खुलासा लागू लेखा मानकों के तहत नहीं किया था। आरोप था कि कंपनी की वित्त वर्ष 2014-15 की ऑडिट रिपोर्ट और जून, 2015 तिमाही की सीमित समीक्षा रिपोर्ट पर ऐसी ऑडिट फर्म ने हस्ताक्षर किए थे जिसके पास वैध पीयर रिव्यू प्रमाणपत्र नहीं था। कंपनी की जून, 2017, सितंबर, 2017 और दिसंबर, 2021

तिमाहियों की सीमित समीक्षा रिपोर्ट पर भी ऐसी ही ऑडिट फर्म ने हस्ताक्षर किए थे।

अदाणी टोटल गैस, एडब्ल्यूएल एग्री बिजनेस, अदाणी ग्रीन एनर्जी और अदाणी एनर्जी सॉल्यूशंस से जुड़ी कार्यवाही भी ऐसी ऑडिट या सीमित समीक्षा रिपोर्ट से संबंधित थी, जिन पर वैध प्रमाणपत्र नहीं रखने वाली ऑडिट फर्म ने हस्ताक्षर किए थे।

सेबी के आदेश के मुताबिक, इन कंपनियों ने तथ्यों से जुड़े निष्कर्षों और कानूनी निष्कर्षों को स्वीकार या खारिज किए बिना मामला निपटाने का प्रस्ताव दिया था। सेबी की उच्चाधिकार-प्राप्त सलाहकार समिति ने जून, 2026 में निपटान की शर्तों की अनुशासकीय की थी, जिसे 13 अगस्त को पूर्णकालिक सदस्यों के पैनल ने मंजूरी दी थी।

इसके पहले सितंबर, 2025 में सेबी ने हिंडनबर्ग रिस्चर्च की रिपोर्ट में लगाए गए हेरफेर के आरोपों की जांच के बाद कहा था कि उसे अदाणी समूह की सूचीबद्ध कंपनियों में धन भेजने के लिए संबंधित पक्षों के इस्तेमाल का कोई सबूत नहीं मिला।

जग प्रेरणा

live

मंडला नैनपुर

● बिछिया ● बीजाडांडी ● घुघरी ● मवई ● मोहगांव ● नारायणगंज ● निवास

विज्ञापन
आमंत्रित है..

संपर्क - मो. 9329033433

मंडला जिले में हिन्दी दैनिक
जगप्रेरणा में समाचार एवं विज्ञापनों
के प्रकाशन हेतु संपर्क करें..

हेमंत नायक

मो. 88273 19933

नर्मदा तट पर एनसीसी कैडेट्स
ने चलाया स्वच्छता अभियान..पुनीत सागर अभियान
के तहत नेहरू पार्क घाट
पर किया श्रमदान, लोगों
को दिया स्वच्छता का
संदेश..जगप्रेरणा मंडला।
पुनीत सागर अभियान
एवं नदी दिवस के
अवसर पर शासकीय
जगन्नाथ उत्कृष्ट विद्यालय
मंडला की एनसीसी
इकाई द्वारा नर्मदा नदी के
नेहरू पार्क घाटपर स्वच्छता एवं जन-
जागरूकता अभियान चलाया गया।
1 एमपी आर्टी रेंजिमेंट एनसीसी
जबलपुर के कमांडिंग ऑफिसर
कर्नल कीर्ति शिन्धे के मार्गदर्शन में
आयोजित अभियान में एनसीसी
कैडेट्स ने उत्साहपूर्वक सहभागिता
की।अभियान के दौरान एनसीसी
इकाई 247 एवं 248 के कैडेट्स ने नर्मदा तट परफैले प्लास्टिक, पॉलिथीन एवं अन्य अनुपयोगी
महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।सामग्री को एकत्रित कर उचित
निपटान किया। इसके साथ ही घाट
पर मौजूद नागरिकों को नर्मदा नदी
को स्वच्छ रखने और जलस्रोतों
को कचरा मुक्त बनाए रखने के
लिए जागरूक किया गया।कार्यक्रम में सेकंड ऑफिसर
संजय धनगर एवं सेकंड ऑफिसर
विपिन लखेरा ने कैडेट्स को
स्वच्छता एवं पर्यावरण संरक्षण के
महत्व की जानकारी दी। उन्होंने
कहा कि नर्मदा नदी क्षेत्र की
जीवनदायिनी है और इसकी
स्वच्छता बनाए रखना सभी की
सामूहिक जिम्मेदारी है। इस अवसर
पर 1 एमपी आर्टी रेंजिमेंट से
हवलदार एच.आई. मैतेई भी
उपस्थित रहे।विद्यालय की प्राचार्य श्रीमती
कल्पना नामदेव ने एनसीसी
कैडेट्स के प्रयासों की सराहना
करते हुए कहा कि ऐसे अभियान
विद्यार्थियों में सामाजिक दायित्व,
अनुशासन और पर्यावरण संरक्षण
की भावना विकसित करने मेंश्याम भजन कीर्तन में गूंजा
बाबा खाटू श्याम का जयकारा

जगप्रेरणा मंडला।

श्री झूलेलाल गणेश
उत्सव समिति, सुभाष
वार्ड की ओर से श्याम
भजन कीर्तन का
आयोजन किया गया।
कार्यक्रम में गायक इंदेश
तलरेजा ने बाबा खाटू
श्याम के भजनों की
मनमोहकप्रस्तुतियां दीं। आयोजन की
शुरुआत भगवान गणेश की आरती,
पूजा एवं पल्लव अरदास के साथ
हुई। इस दौरान सभी परिवारों की
सुख शांति एवं समृद्धि के लिए
प्रार्थना की गई।इसके पश्चात बाबा खाटू श्याम
जी की विधिवत पूजा-अर्चना की
गई। पूजन के बाद श्याम भजन कीर्तन का शुभारंभ

हुआ। गायक इंदेश तलरेजा के मधुर भजनों से

कार्यक्रम स्थल भक्तिमय हो उठा। श्याम भजनों
पर श्रद्धालु भक्ति में लीन नजर आए। भजनों और
संकीर्तन के साथ आयोजन में देर तक भक्तिरस
की धारा बहती रही। कार्यक्रम के दौरान बाबा खाटू
श्याम के जयकारों से वातावरण गुंजायमान रहा।
आयोजन में बड़ी संख्या में धर्म, आस्था प्रेमियों ने
सहभागिता की। श्रद्धालुओं ने परिवार सहित
कार्यक्रम में पहुंचकर भक्ति और संकीर्तन का
आनंद लिया। समिति की ओर से श्रद्धालुओं के
लिए आयोजन की व्यवस्थाएं की गईं।
भजन-कीर्तन के दौरान श्रद्धालुओं ने सामूहिक
रूप से बाबा श्याम का गुणगान किया। कार्यक्रम
के समापन पर श्रद्धालुओं को प्रसादी का वितरण
किया गया।महाआरती में विघ्नहर्ता की उपासना
करने पहुंचा किन्नर समाज..

जगप्रेरणा मंडला।

श्री झूलेलाल गणेशोत्सव समिति,
सुभाष वार्ड द्वारा गणेशोत्सव के
तहत महाआरती एवं छप्पन भोग का
आयोजन किया गया। इसमें किन्नर
समाज के सदस्यों ने श्रद्धापूर्वकसहभागिता कर भगवान श्री गणेश की पूजा-
अर्चना की और महाआरती में शामिल होकर
परिवार एवं समाज की सुख-समृद्धि की कामना
की। महाआरती में बड़ी संख्या में महिला, पुरुष
एवं बच्चों ने हिस्सा लिया। गणपति बप्पा के
जयकारों से पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया।सिद्धिविनायक को विभिन्न प्रकार के व्यंजनों
से सजे छप्पन भोग का प्रसाद अर्पित किया गया।
श्रद्धालु अपने घरों से तैयार किए गए व्यंजन लेकर
पहुंचे और भगवान को भोग लगाया। आयोजन में
पंडित रानूनाथ शर्मा एवं संस्था आरती मंच, रपटा
घाट के सदस्यों का विशेष सहयोग रहा।
नगरपालिका अध्यक्ष विनोद कछवाहा सहित नगरके गणमान्य नागरिक भी महाआरती में शामिल
हुए। भगवान गणेश की आराधना के साथ मां
जगतजननी की पूजा-अर्चना भी की गई। कार्यक्रम
के अंत में परंपरागत पल्लव पूजा संपन्न हुई औरश्रद्धालुओं को महाप्रसादी का वितरण किया गया।
समिति द्वारा गणेशोत्सव के दौरान प्रतिदिन विभिन्न
धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए
जा रहे हैं।महाराजपुर में डोल ग्यारस पर वर्षों
पुरानी परंपरा का हुआ निर्वहन..सोने-चांदी से जड़ित
डोला निकला, संगम
क्षेत्र से अंग्रेज घाट तक
हुआ जल विहार..जगप्रेरणा महाराजपुर।
नगर में डोल ग्यारस
के अवसर पर वर्षों पुरानी
धार्मिक एवं सांस्कृतिक
परंपरा का श्रद्धा और
उत्साह के साथ निर्वहन
किया गया।राम कृष्ण मंदिर, चौधरी बाड़ा,
बूढ़ी माई वार्ड महाराजपुर से
भगवान का सोने-चांदी से जड़ित
आकर्षक डोला जल विहार के लिए निकाला
गया। डोले को धार्मिक विधि-विधान और
पूजा-अर्चना के बाद महाराजपुर के संगम
क्षेत्र से अंग्रेज घाट तक ले जाया गया।इस दौरान डोले के दर्शन के लिए
श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी। भक्तों ने पूरे मार्ग
में श्रद्धा के साथ भगवान के दर्शन किए
और धार्मिक आयोजन में सहभागिता की।
संगम क्षेत्र से अंग्रेज घाट तक निकाली गई
यह यात्रा महाराजपुर की वर्षों पुरानी धार्मिक
परंपरा का महत्वपूर्ण हिस्सा है।

वर्षों से चली आ रही है परंपरा..

स्थानीय लोगों के अनुसार डोल ग्यारस के दिन
भगवान के डोले को जल विहार कराने की यह परंपरा
लंबे समय से चली आ रही है। पीढ़ियों से चली आ
रही इस परंपरा में क्षेत्र के श्रद्धालु उत्साहपूर्वक शामिल
होते हैं। डोले को विशेष रूप से सजाया जाता है तथा
पूजा-अर्चना के बाद जल विहार के लिए संगम तट
तक ले जाया जाता है। स्थानीय निवासी धीरेन्द्र सिंह
चौधरी ने बताया कि डोल ग्यारस के दिन डोला
निकालने की प्रथा वर्षों पुरानी है। उन्होंने बताया किधार्मिक परंपरा के अनुसार डोले
को संगम क्षेत्र से अंग्रेज घाट तक
ले जाकर जल विहार कराया
जाता है। इस आयोजन से क्षेत्र
की धार्मिक आस्था और पुरानी
सांस्कृतिक परंपराएं जुड़ी हुई हैं।
श्रद्धालुओं में दिखा
उत्साह..डोला यात्रा को लेकर
श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह
देखने को मिला। लोगों ने
भगवान के दर्शन कर पूजा-
अर्चना की और इस पारंपरिक
धार्मिक यात्रा का हिस्सा बने।
संगम क्षेत्र से अंग्रेज घाट तक कामार्ग श्रद्धालुओं की मौजूदगी से भक्तिमय नजर
आया। स्थानीय श्रद्धालुओं का कहना है कि ऐसी
परंपराएं केवल धार्मिक आस्था से ही नहीं, बल्कि
क्षेत्र की सामाजिक और सांस्कृतिक पहचान से भी
जुड़ी होती हैं। वर्षों से चली आ रही इस परंपरा को
नई पीढ़ी तक पहुंचाने और इसे जीवंत बनाए रखने
के लिए स्थानीय लोगों की महत्वपूर्ण भूमिका रहती
है। डोल ग्यारस पर निकाला जाने वाला यह डोला
महाराजपुर की धार्मिक विरासत और श्रद्धा का प्रतीक
है, जिसमें हर वर्ष बड़ी संख्या में श्रद्धालु अपनी
सहभागिता दर्ज करते हैं।घुघरी के छात्रावासों में पहुंचे सहायक आयुक्त,
भोजन से लेकर सफाई तक जांची व्यवस्था..जगप्रेरणा मंडला।
जनजातीय कार्य
विभाग के सहायक
आयुक्त डॉ. अरूण
शुक्ला ने घुघरी
विकासखंड के विभिन्न
छात्रावास एवं आश्रमों
का निरीक्षण किया।उन्होंने वीरांगना रानी दुर्गावती
कन्या छात्रावास एवं आश्रम, उत्कृष्ट
राजा शंकर शाह छात्रावास एवं
आश्रम सहित अन्य संस्थाओं में
विद्यार्थियों को मिल रही सुविधाओं
की स्थिति देखी।निरीक्षण के दौरान पेयजल,
भोजन, मच्छरदानी और साफ-
सफाई की व्यवस्थाओं पर विशेष
ध्यान दिया गया। सहायक आयुक्त
ने निर्धारित मीनू के अनुसार भोजन
उपलब्ध कराने और छात्रावास परिसर में स्वच्छता
बनाए रखने के निर्देश दिए। साथ ही बच्चों कानियमित स्वास्थ्य परीक्षण कर उसका रिकॉर्ड रखने
को कहा। रानी दुर्गावती कन्या आश्रम में दोछात्राओं की तबीयत खराब मिलने
पर उन्हें तत्काल सामुदायिक
स्वास्थ्य केंद्र घुघरी ले जाकर
उपचार कराया गया। अधीक्षकों को
बच्चों के साथ नाश्ता एवं भोजन
करने तथा उसकी फोटो भेजने के
निर्देश भी दिए गए।सहायक आयुक्त ने विद्यार्थियों
की शत-प्रतिशत उपस्थिति
सुनिश्चित करने के साथ शासन की
योजनाओं और सुविधाओं का लाभ बच्चों तक
गुणवत्तापूर्ण तरीके से पहुंचाने पर जोर दिया।

दैनिक जगप्रेरणा में समाचार एवं विज्ञापनों के लिये संपर्क करें मो. 9329033433

जगप्रेरणा मंडला।

वित्तीय जागरूकता बढ़ाने के
उद्देश्य से वित्तीय साक्षरता केंद्र
मंडला द्वारा विकासखंड मोहगांव
की ग्राम पंचायत सुडगांव में
वित्तीय साक्षरता शिविर का
आयोजन किया गया।शिविर में ग्रामीणों एवं किसानों को बैंकिंग
सेवाओं, बीमा और पेंशन योजनाओं के साथ
साइबर ठगी से बचाव के उपायों की जानकारी दी
गई। कार्यक्रम में वित्तीय साक्षरता केंद्र के
अधिकारी कृष्णाकांत अवस्थी, ग्राम पंचायत
सुडगांव के सरपंच सुखदीन मालगाम तथा
आरसेटी के डायरेक्टर राजेश राय उपस्थित रहे।
शिविर में कृष्णाकांत अवस्थी ने प्रधानमंत्री सुरक्षा
बीमा योजना, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा
योजना और अटल पेंशन योजना सहित बैंक की
विभिन्न जमा एवं ऋण योजनाओं की जानकारीग्रामीणों को दी। उन्होंने बैंकिंग लेनदेन के दौरान
बरती जाने वाली सावधानियों के बारे में भी
बताया।इस दौरान साइबर फ्रॉड के विभिन्न तरीकों की
जानकारी देते हुए ग्रामीणों को अनजान लिंक पर
क्लिक नहीं करने, ओटीपी एवं बैंक संबंधीगोपनीय जानकारी किसी से साझा नहीं करने तथा
संदिग्ध कॉल और संदेशों से सतर्क रहने की सलाह
दी गई।साइबर ठगी होने की स्थिति में बिना देरी किए
1930 हेल्पलाइन नंबर पर शिकायत दर्ज कराने
की जानकारी भी दी गई।

M.R. Sports

9284744867
9112026507
7006748047

- T-shirt
- Lower
- Short
- Shoes etc.

All Sports Items Available

नारायण लॉन के सामने क्रिडा संकुलन मरारटोली, गोदिया

विज्ञापन

आमंत्रित है..

संपर्क - मो. 9329033433

11

बुधवार 23 सितंबर 2026

जग प्रेरणा

ग्रामीण गोंदिया भंडारा

● तिरोंड़ा ● गोरेंगांव ● आमगांव ● सालेकसा ● देवरी ● मोरगांव अर्जुनी ● तुमसर ● साकोली ● लाखांदूर

विज्ञापन

आमंत्रित है..

संपर्क - मो. 9329033433

हिंदी माध्यम शिक्षक अभ्यर्थियों के मुद्दे पर प्रशासन हरकत में

जांच व अहवाल की मांग तेज..

जगप्रेरणा आमगांव। पवित्र पोर्टल के माध्यम से चल रही शिक्षक भर्ती प्रक्रिया में हिंदी माध्यम के अभ्यर्थियों को रिक्त पदों का अपेक्षित प्राधान्यक्रम नहीं मिलने का मुद्दा अब गंभीर होता जा रहा है। लंबे समय से न्याय की मांग कर रहे अभ्यर्थियों का कहना है कि पहले चरण में जो पद प्रक्रिया से बाहर हो गए, उनकी दूसरे चरण में पूरी भरपाई करना संभव नहीं है। ऐसे में केवल दूसरे चरण का आश्वासन देकर मामले को टालने के बजाय पहले चरण की प्रक्रिया की भी जांच की जानी चाहिए।

अभ्यर्थियों के अनुसार, शिक्षणाधिकारी स्तर पर हिंदी माध्यम के साथ अन्याय होने की बात स्वीकार किए जाने तथा दूसरे चरण में इसकी भरपाई का आश्वासन दिए जाने के बाद भी उनकी शिकाएं दूर नहीं हुई हैं। उनका कहना है कि दूसरे चरण में वास्तव में कितने पद उपलब्ध होंगे और उनमें माध्यमनिहाय स्थिति क्या रहेगी, इसकी स्पष्ट जानकारी प्रशासन के पास होना आवश्यक है।

दूसरे चरण की जानकारी को लेकर असमंजस का आरोप..

न्याय की मांग को लेकर अभ्यर्थियों ने तीव्र निषेध आंदोलन एवं आमरण अनशन की तैयारी शुरू की थी। इसी बीच उन्हें दूसरे चरण की जानकारी देने के लिए शिक्षण विभाग की ओर से बुलाया गया। अभ्यर्थियों का आरोप है कि बैठक के दौरान दूसरे चरण में उपलब्ध होने वाले पदों को लेकर स्पष्ट एवं एकसमान जानकारी नहीं मिल सकी। इससे अभ्यर्थियों में प्रशासनिक प्रक्रिया को लेकर और अधिक असंतोष पैदा हुआ। अभ्यर्थियों ने मांग की कि कौन-से विषय, माध्यम और वर्ग



पूर्व अध्यक्ष ने रखी अभ्यर्थियों की पैरवी..

जिला परिषद अध्यक्ष मा. लयकाराम भंडारकार के समक्ष पूर्व अध्यक्ष पंकज राहंगडाले ने अभ्यर्थियों की ओर से पक्ष रखते हुए न्याय की मांग रखी। इस दौरान

के कितने पद उपलब्ध हैं, इसकी स्पष्ट, लिखित एवं पारदर्शी जानकारी सार्वजनिक की जाए, ताकि किसी प्रकार की शंका न रहे।

जिला परिषद सदस्यों ने उठाया मुद्दा..

इस बीच जिला परिषद सदस्य सौ. छायाताई नागपुरे, सौ. गीताताई लिल्हारे एवं सौ. विमलताई कटरे तथा कांग्रेस जिलाध्यक्ष श्री अमर वराडे ने जिला परिषद प्रशासन को निवेदन देकर मामले की शीघ्र जांच कराने और संबंधित अहवाल पुणे भेजने की मांग की। उनका कहना है कि मामले की वस्तुस्थिति स्पष्ट रूप से सामने आनी चाहिए और अभ्यर्थियों की शिकायत का उचित निराकरण होना चाहिए।

शिक्षण सभापति ने दिए जांच के निर्देश

मामले में शिक्षण सभापति ने भी अभ्यर्थियों की मांगों पर सकारात्मक रुख अपनाते हुए जांच एवं अहवाल तैयार करने के निर्देश दिए। साथ ही सांसद प्रफुल्ल पटेल से इस विषय में मार्गदर्शन लेकर राज्य स्तर पर आवश्यक कार्यवाही किए जाने का आश्वासन दिया गया।

विधायक राजकुमार बडोले भी उपस्थित थे। अभ्यर्थियों के अनुसार, उन्होंने भी मामले में तत्काल कार्रवाई की आवश्यकता पर जोर दिया।

आंदोलन फिलहाल स्थगित, लेकिन संघर्ष जारी रखने की चेतावनी

जनप्रतिनिधियों के हस्तक्षेप और जांच के आश्वासन के बाद अभ्यर्थियों ने फिलहाल अपना बेमुदत आमरण अनशन स्थगित कर दिया है। हालांकि उनका कहना है कि जब तक उन्हें स्पष्ट एवं न्यायसंगत समाधान नहीं मिलता, तब तक आंदोलन का विकल्प खुला रहेगा। अभ्यर्थियों ने यह भी स्पष्ट किया है कि यदि जांच में किसी स्तर पर लापरवाही अथवा प्रक्रिया संबंधी त्रुटि सामने आती है, तो जिम्मेदारी निर्धारित कर संबंधितों पर नियमानुसार कार्रवाई की जानी चाहिए। अब पूरे मामले में जांच उपलब्ध कब प्रस्तुत होता है और पुणे स्तर से क्या निर्णय लिया जाता है, इस पर हिंदी माध्यम के शिक्षक अभ्यर्थियों की नजरें टिकी हुई हैं। इस अवसर पर अन्याय ग्रस्त उम्मीदवार ललितकुमार मच्छीकरे, राजेश्वरी मानदास बसोने, गायत्री दीपक नागपुरे, ज्योति रायसिंह मच्छीकरे, प्रदीप नागपुरे, सागर लिन्हारे, संजयकुमार सलाखें, देवचंद लिन्हारे, प्रवीण दमाहे, साची ठेंभरे, सरोज कुंभलवार, शिवकुमार ठेंभरे, राधेश्याम गिरिया, शिवकुमार बिसेन, अंकित सूर्यवंशी, प्रदीप लिल्हारे, माधुरी पटले, रेखा पटले, छाया पटले, सत्यशीला कटरे, डीलेश्वरी बोपचे, बीर्षलाल सोनवाने आदि उपस्थित थे।

25 हजार से अधिक मतों के अंतर से चुनाव जीतेंगे- पदवी धर मतदार संघ के विधायक अभिजीत वंजारी का दावा..

23 अक्टूबर को होगा चुनाव, छह वर्षों के कार्यकाल में रोजगार, शिक्षा और विकास कार्यों को बताया अपनी प्रमुख उपलब्धि..

जगप्रेरणा प्रा राकेश रोडके सालेकसा।



पदवीधर मतदारसंघ का चुनाव आगामी 23 अक्टूबर 2026 को होने जा रहा है। चुनाव को लेकर राजनीतिक गतिविधियां तेज हो गई हैं। वर्तमान विधायक ने आगामी चुनाव में 25 हजार से अधिक मतों के अंतर से विजय हासिल करने का दावा किया है।

उन्होंने कहा कि पिछले चुनाव में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस एवं महाविकास आघाड़ी के अधिकृत उम्मीदवार के रूप में उन्होंने 18,500 मतों के अंतर से विजय प्राप्त की थी। उनके अनुसार, यह चुनाव ऐतिहासिक रहा, क्योंकि 58 वर्षों के बाद पहली बार किसी गैर-भाजप उम्मीदवार ने इस मतदारसंघ में जीत दर्ज की थी।

8 हजार से अधिक युवाओं को रोजगार का दावा..

उन्होंने अपने छह वर्ष के कार्यकाल की जानकारी देते हुए बताया कि नागपुर, वर्षा, भंडारा,

प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले विद्यार्थियों के लिए विधायक निधि के माध्यम से 300 से अधिक सार्वजनिक वाचनालयों को 2 करोड़ रुपये से अधिक की आधुनिक प्रतियोगी परीक्षा की पुस्तकें उपलब्ध कराने की जानकारी उन्होंने दी। इससे एमपीएससी सहित अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले विद्यार्थियों को लाभ मिलने की बात उन्होंने कही।

शिक्षा क्षेत्र के लिए 155 करोड़ से अधिक निधि उपलब्ध कराने का दावा

उन्होंने बताया कि छह वर्ष के कार्यकाल में 42 करोड़ रुपये के प्रत्यक्ष विकास कार्य किए गए, जबकि अप्रत्यक्ष रूप से 155 करोड़ रुपये से अधिक की निधि नागपुर विश्वविद्यालय एवं शिक्षा क्षेत्र के लिए उपलब्ध कराई गई। शाला एवं महाविद्यालयों के सक्षमीकरण तथा डिजिटल शिक्षा

को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 2 हजार से अधिक अनुदानित स्कूलों एवं महाविद्यालयों को कंप्यूटर, प्रिंटर, स्कैनर, डिजिटल क्लासरूम, वाटर फिल्टर सहित विभिन्न सामग्री उपलब्ध कराने की जानकारी भी उन्होंने दी।

साढ़े तीन लाख किलोमीटर से अधिक जनसंपर्क यात्रा..

उन्होंने कहा कि पिछले छह वर्षों के दौरान छह जिलों में लगातार जनसंपर्क बनाए रखा गया। इस दौरान 3.5 लाख किलोमीटर से अधिक यात्रा कर पदवीधर, शिक्षक, विद्यार्थी और आम नागरिकों से संपर्क कायम रखा। विधान परिषद में अपने छह वर्ष के कार्यकाल के दौरान 350 से अधिक प्रश्न उठाने का भी उन्होंने उल्लेख किया।

शालेय शिक्षा एवं उच्च शिक्षा विभाग के शिक्षकों के अनेक लंबित प्रश्नों को हल करने के साथ ही अन्य समस्याओं के समाधान के लिए लगातार प्रयास जारी रहने की बात उन्होंने कही।

उन्होंने कहा कि पदवीधर एवं शिक्षा क्षेत्र के लिए किए गए कार्य, रोजगार मेलों के माध्यम से बेरोजगार युवाओं को दिया गया सहयोग, विद्यार्थियों के लिए किए गए उपक्रम, लगातार जनसंपर्क और विधान परिषद में उठाए गए मुद्दों के आधार पर वे आगामी चुनाव में पिछली बार की तुलना में और अधिक मतों के अंतर से विजय हासिल करने के लिए पूरी तैयारी के साथ मैदान में हैं।

देवरी मे आदिवासी समाज का भव्य जनाक्रोश मोर्चा, मोर्चे मे शामिल हुए 3 हजार आदिवासी नागरिक..

जगप्रेरणा देवरी।

देवरी में संयुक्त आदिवासी समाज संगठनों के तत्वावधान में विभिन्न न्यायसंगत अधिकारों और लंबित मांगों को लेकर आज, मंगलवार 22 सितंबर 2026 को सुबह 11:00 बजे एक विशाल ‘जनाक्रोश मोर्चा’ निकाला गया। यह मोर्चा जिला परिषद (जि. प.) मैदान, देवरी से शुरू होकर उपविभागीय अधिकारी (SDO) कार्यालय पहुंचने से पहले रानी दुर्गावती चौक पर एक जनसभा में परिवर्तित हो गया, जहाँ संगठन के पदाधिकारियों ने संबोधित किया।

इस आंदोलन का आयोजन ‘सर्व आदिवासी समाज संगठन, जिला गोंदिया’ की ओर से किया गया था, जिसमें जिले भर से हजारों आदिवासी भाई-बहन, नागरिक और युवा बड़ी संख्या में शामिल हुए। एसडीओ कार्यालय पहुंचने पर उपविभागीय अधिकारी के माध्यम से मुख्यमंत्री के नाम एक ज्ञापन (निवेदन) सौंपा गया।

ज्ञापन में शामिल 18 प्रमुख मांगें..

सुआवजा व एफआईआर: भागी/देवरी में अवैध निर्माण के कारण मृत व्यक्ति के परिवार को 25 लाख और घायलों को 5 लाख का अनुग्रह अनुदान दिया जाए। साथ ही, इस घटना के दोषी तहसीलदार देवरी, पटवारी (तलाठी) भागी और ग्राम सेवक गोटाबोडी पर FIR दर्ज कर गैर-इरादतन हत्या का मामला दर्ज किया जाए। लापरवाही पर कार्रवाई: भागी/देवरी में दुर्घटनाग्रस्त इमारत का निर्माण रोकने के उपविभागीय अधिकारी के आदेश के बावजूद जानबूझकर काम न रोकते हुए मरुम रखा गया। अतः संबंधित तहसीलदार, पटवारी और ग्राम सेवक पर सदोष मानव वध का मामला दर्ज किया जाए। करार रद्द करना: लक्ष्मण मानकर ट्रस्ट के साथ 9 अगस्त 2025 को 490 छात्रावासों के संबंध में किया गया समझौता ज्ञापन (स्म) तत्काल प्रभाव से रद्द किया जाए। इस्तीफा: अशोक उड्के आदिवासी विकास मंत्री पद से इस्तीफा दें। रिक्त पदों पर भर्ती: अतिरिष्ट



(अधिसंख्य) ठहराए गए 12,500 नौकरियों के मूल पदों को रिक्त कर उन्हें सीधी भर्ती के माध्यम से भरा जाए। आरक्षण पुनर्बहाली: रोस्टर (बिंदु नामावली) को पूर्ववत करते हुए क्रमांक 8 से घटाकर 2 पर लाया जाए और सामाजिक आरक्षण बहाल किया जाए। जमीन हस्तांतरण की जांच: आदिवासी भूमि हस्तांतरण प्रतिबंध कानून होने के बावजूद आदिवासियों के नाम की कृषि भूमि गैर-आदिवासियों के नाम कैसे स्थानांतरित हुई, इसकी गहन जांच कर दोषियों पर अपराधिक मामला दर्ज कर उन्हें बर्खास्त किया जाए। विस्थापन पर रोक: वन्यजीव विभाग और बफर जोन के माध्यम से क्षेत्र के लोगों को विस्थापित न किया जाए तथा उन्हें स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर प्रदान किए जाएं। वन अधिकार पट्टे: वन भूमि पर अतिक्रमण करने वाले लाभार्थियों को ‘वन अधिकार अधिनियम’ के तहत तुरंत पट्टे वितरित किए जाएं। छात्रावास व आश्रमशाला सुविधाएं: आदिवासी छात्रों के छात्रावासों, शासकीय आश्रमशालाओं और अनुदानित आश्रमशालाओं में नियमानुसार सभी मूलभूत सुविधाएं तुरंत उपलब्ध कराई जाएं। स्टूडनचरल ऑडिट: परियोजना कार्यालय के अंतर्गत संचालित सभी छात्रावासों, शासकीय व अनुदानित आश्रमशालाओं और एकलव्य स्कूलों का परियोजना स्तरीय समिति द्वारा समग्र स्ट्रक्चरल ऑडिट कराया जाए। स्थानीय स्तर पर ठेके: शासकीय और अनुदानित आश्रमशालाओं में भोजन, सज्जियां, सामग्री आपूर्ति और मरम्मत/छोटे-मोटे निर्माण कार्य स्थानीय आदिवासी संस्थाओं, स्वयं सहायता समूहों और शिक्षित बेरोजगार युवाओं को दिए जाएं। निःशुल्क कोचिंग: आदिवासी युवक-युवतियों के लिए जिला स्तर पर प्रतियोगी परीक्षाओं की निःशुल्क

आवासीय कोचिंग कक्षाएं शुरू की जाएं। बिस्तर/पलंग की व्यवस्था: अनुदानित आश्रमशालाओं में बच्चों को आज भी जमीन पर सोना पड़ता है; उनके लिए तुरंत पलंगों (खाट) की व्यवस्था की जाए। बोगस प्रवेश की जांच: अनुदानित आश्रमशालाओं में बाहरी राज्यों के बच्चों को फर्जी प्रवेश देकर सरकारी धन का दुरुपयोग किया जा रहा है, इसकी जांच कर कड़ी कार्रवाई की जाए। परीक्षा शुल्क की वापसी: आश्रमशालाओं में कक्षा 10वीं और 12वीं के छात्रों से लिया गया परीक्षा शुल्क बोर्ड से वापस मिलने के बाद भी बच्चों को नहीं लौटाया जा रहा है, ऐसी शालाओं पर सख्त कार्रवाई हो। योजना का नामकरण: ‘पंडित दीनदयाल उपाध्याय स्वावलंबन योजना’ का नाम बदलकर आदिवासी महापुरुषों के नाम पर रखा जाए। अल्पसंख्यक संस्थानों में आरक्षण: राज्य के अल्पसंख्यक शिक्षण संस्थानों के अंतर्गत संचालित आश्रमशालाओं, निजी स्कूलों और कॉलेजों में आदिवासी जनजातियों का सामाजिक आरक्षण लागू किया जाए।

यदि प्रशासन ने इन प्रमुख मांगों पर ध्यान नहीं दिया और इन्हें स्वीकार नहीं किया, तो सर्व आदिवासी समाज संगठन, जिला गोंदिया की ओर से तीव्र आंदोलन छेड़ने की चेतावनी दी गई है।

इस मोर्चे का नेतृत्व आदिवासी विकास महामंडल के निदेशक रमेश ताराम, ऑल इंडिया एम्प्लॉईज फेडरेशन के अध्यक्ष भरत मडावी, कांग्रेस पार्टी के दुष्यंत किरसाण, सामाजिक कार्यकर्ता वसंत पुराम, हलबी समाज संगठन के अध्यक्ष सावंत राऊत, हलबा समाज जिलाध्यक्ष यशवंत मलये, शीला उड्के और विलास भोगारे ने किया। इस दौरान मोर्चे में जिले के लगभग 3,000 आदिवासी भाई-बहन शामिल हुए। पुलिस प्रशासन द्वारा सुबह से ही कड़े सुरक्षा प्रबंध किए गए थे।

वक्रतुंड गणेश उत्सव मंडळ आमगांव द्वारा अधिकारियों का किया सत्कार..

जगप्रेरणा आमगांव। वक्रतुंड गणेश मंडळ, बजरंग चौक द्वारा डान्स कार्यक्रम मे तहसील के अधिकारियो का सत्कार किया गया।



प्रमुख रूप से उपविभागीय अधिकारी सौ.भजजी रंगटे, तहसीलदार मोनिकाजी कांबळे का शाल श्रीफल देकर सत्कार किया गया।

इस समय अधिकारियों शासन की योजना का लाभ लेने का आह्वान किया एवं तहसीलदार मोनिकाजी कांबळे ने तहसील

कार्यालय की पारदर्श भूमिका का जोर दिया। संचालन पत्रकार भोला गुप्ता ने किया। मंडळ के अध्यक्ष राजेश भूते उपाध्यक्ष मोहित शिवनकर सचिव गोपाल चूटे व सभी सदस्यों ने अतिथियों का सत्कार किया।

दैनिक जगप्रेरणा में समाचार एवं विज्ञापनों के लिये संपर्क करें। संजीव बापट गोंदिया मो. 9922607145

गोंदिया पुलिस डायरी..

संजीव बापट, शहर प्रतिनिधि मो. 9922607145

रेती चोर टिप्पर सहीत पकड़या मामला दर्ज..

जगप्रेरणा गोंदिया।

गोंदिया जिले के रावणवाडी पुलिस थाना अंतर्गत चोरी का मामला दर्ज किया गया है। प्राप्त जानकारी अनुसार दिनांक 21/9/2026 के रात 1 बजे के दरम्यान काटी बाजारटोला रोड पर फर्यादी पोशि राहुल बरेले पोस्टे रावणवाडी अपनी ड्युटी कर रहे थे। रात करीब 1 बजे आरोपी योगेन्द्र शामललाल उड्के ने अपने टिप्पर ट्राली मे 2 ब्रास रेती भरकर ले जा रहा था। उसे रोककर पूछे तो उसके पास कोई भी पास परमीशन नही थी। रेती चोरी करके ले जाते समय पकाडाये जाने से ट्रक्टर ट्रॉली और 2 ब्रास रेती कुल 30 लाख 10 हजार का माल जप्त कर दिये शिकायत पर पोस्टे रावणवाडी मे अपराध क्रमांक 503/2026 धारा 305, ई, भाग्यास 2023 के तहत अपराध दर्ज कर जांच पोऊपनी धेंडे पोस्टे रावणवाडी कर रहे है।

ट्रक चालक ने ब्राऊड़ी तोड़कर किया 60 हजार का नुकसान मामला दर्ज..

जगप्रेरणा गोंदिया।

गोंदिया जिले के ग्रामीण पुलिस थाना अंतर्गत आर्थिक नुकसान का मामला दर्ज किया गया है। प्राप्त जानकारी अनुसार दिनांक 20/9/2026 के सुबह 10 बजे के दरम्यान फुलचुर सास चौक मे आरोपी ने अपना ट्रक लापरवाहीसे चलाकर रोड की ब्राऊड़ी के 60 पत्थर अजयदीप इफ्रॉकन प्रायवेट लिमिटेड का 60 हजार का नुकसान करने से फर्यादी की शिकायत पर ट्रक चालक के खिलाफपोस्टे गोंदिया ग्रामीण मे अपराध क्रमांक 553/2026 धारा 281,324,3,4, भाग्यास 2023 सहकलम 184, मोवाका के तहत अपराध दर्ज कर जांच पोना बनोटे 1758 पोस्टे गोंदिया ग्रामीण कर रहे है।

अज्ञात व्यक्ति की रेल्वे से कटकर हुई मौत मामला दर्ज..

जगप्रेरणा गोंदिया।

गोंदिया जिले के शहर पुलिस थाना अंतर्गत अकस्मात मौत का मामला दर्ज किया गया है। प्राप्त जानकारी अनुसार दिनांक 21/9/2026 के शाम 5 बजे के दरम्यान महेन्द्र डोमचरण रंगारी उम्र 60 वर्ष निवासी कुंभारे नगर पेंटिंग काम कर रहा था। काम करते समय उसे अचानक चक्कर आया और जमीन पर बेहोश पड़ा था। उसे राजेन्द्र मिश्रा और सुरेश वासनिक ने उपचार के लिये के एम जे अस्पताल गोंदिया ले गये जहा डाक्टर ने जांच कर मृत घोषीत करने से डाक्टरी मेमो पर पोस्टे गोंदिया शहर मे अकस्मात मौत क्रमांक 41/2025 धारा 194, भानासुस 2023 के तहत मर्ग दर्ज कर जांच पोहवा खोब्रागडे 53 पोस्टे गोंदिया शहर कर रहे है।

पेंटिंग का काम करते समय चक्कर आकर गिरने से हुई मौत मामला दर्ज..

जगप्रेरणा गोंदिया।

गोंदिया जिले के शहर पुलिस थाना अंतर्गत अकस्मात मौत का मामला दर्ज किया गया है। प्राप्त जानकारी अनुसार दिनांक 21/9/2026 के शाम 5 बजे के दरम्यान महेन्द्र डोमचरण रंगारी उम्र 60 वर्ष निवासी कुंभारे नगर पेंटिंग काम कर रहा था। काम करते समय उसे अचानक चक्कर आया और जमीन पर बेहोश पड़ा था। उसे राजेन्द्र मिश्रा और सुरेश वासनिक ने उपचार के लिये के एम जे अस्पताल गोंदिया ले गये जहा डाक्टर ने जांच कर मृत घोषीत करने से डाक्टरी मेमो पर पोस्टे गोंदिया शहर मे अकस्मात मौत क्रमांक 41/2025 धारा 194, भानासुस 2023 के तहत मर्ग दर्ज कर जांच पोहवा खोब्रागडे 53 पोस्टे गोंदिया शहर कर रहे है।

इतिहास अनुसंधान के दीप स्तंभ डॉ. प्रभाकर गद्रे का निधन..

भारतरत्न डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम के हाथों ‘डी.लिट.’ से हुए थे सम्मानित; आमगांव सहित महाराष्ट्र में शोक की लहर

जगप्रेरणा आमगांव। इतिहास अनुसंधान, शिक्षा और सामाजिक प्रबोधन के क्षेत्र में अपने गहन, चिंतनशील एवं शोधपरक कार्यों से अमिट छाप छोड़ने वाले राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त वरिष्ठ इतिहासकार डॉ. प्रभाकर गद्रे का 75 वर्ष की आयु में सोमवार, 21 सितंबर को अल्प बीमारी के चलते निधन हो गया। उनके निधन से ज्ञान, शोध और इतिहास परंपरा का एक विद्वान व्यक्तित्व काल के पंढे के पीछे चला गया है। उनके निधन पर इतिहास अनुसंधान का एक दीपस्तंभ खोने के संरक्षण एवं संवर्धन के माध्यम से नई



डॉ. प्रभाकर गद्रे इतिहास को केवल घटनाओं और वर्षों का क्रम न मानकर उसके पीछे छिपे मानवीय, सामाजिक और सांस्कृतिक संदर्भों का चिकित्सकीय दृष्टि से अध्ययन करते थे। गहन अध्ययन, शोध के प्रति निष्ठा और तथ्यपूर्ण प्रस्तुति उनकी कार्यशैली की प्रमुख विशेषताएं थीं। इतिहास को संरक्षण एवं संवर्धन के माध्यम से नई

पीढ़ी को समृद्ध सांस्कृतिक विरासत से परिचित कराने के लिए उन्होंने जीवनभर ज्ञानसाधना की।

डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम के हाथों ‘डी.लिट.’ से सम्मानित

डॉ. गद्रे के दीर्घ शैक्षणिक एवं शोधपरक योगदान की राष्ट्रीय स्तर पर भी दखल ली गई

थी। भारत के पूर्व राष्ट्रपति एवं भारतरत्न डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम के हाथों उन्हें ‘डी.लिट.’ (Doctor of Literature) की मानद उपाधि प्रदान की गई थी। यह सम्मान इतिहास एवं शिक्षा क्षेत्र में उनके विद्वत्तापूर्ण योगदान की महत्वपूर्ण पहचान माना गया।

भवभूति महाविद्यालय से था गहरा संबंध

आमगांव के शैक्षणिक एवं बौद्धिक क्षेत्र से डॉ. गद्रे का गहरा संबंध था। स्थानीय भवभूति महाविद्यालय, आमगांव में उन्होंने कुछ समय तक इतिहास विषय के प्राध्यापक के रूप में सेवाएं दीं। उनके अध्यापन और इतिहास को देखने के दृष्टिकोण से अनेक विद्यार्थियों को शोध के लिए प्रेरणा मिली। ज्ञान, शोध और इतिहास की जीवनकार्य

